@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

'जन-आशीर्वाद यात्रा' को देशवासियों का अपार स्नेह, प्यार और आशीर्वाद मिला

वर्ष-16, अंक-18 16-30 सितंबर, 2021 (पाक्षिक) ₹20

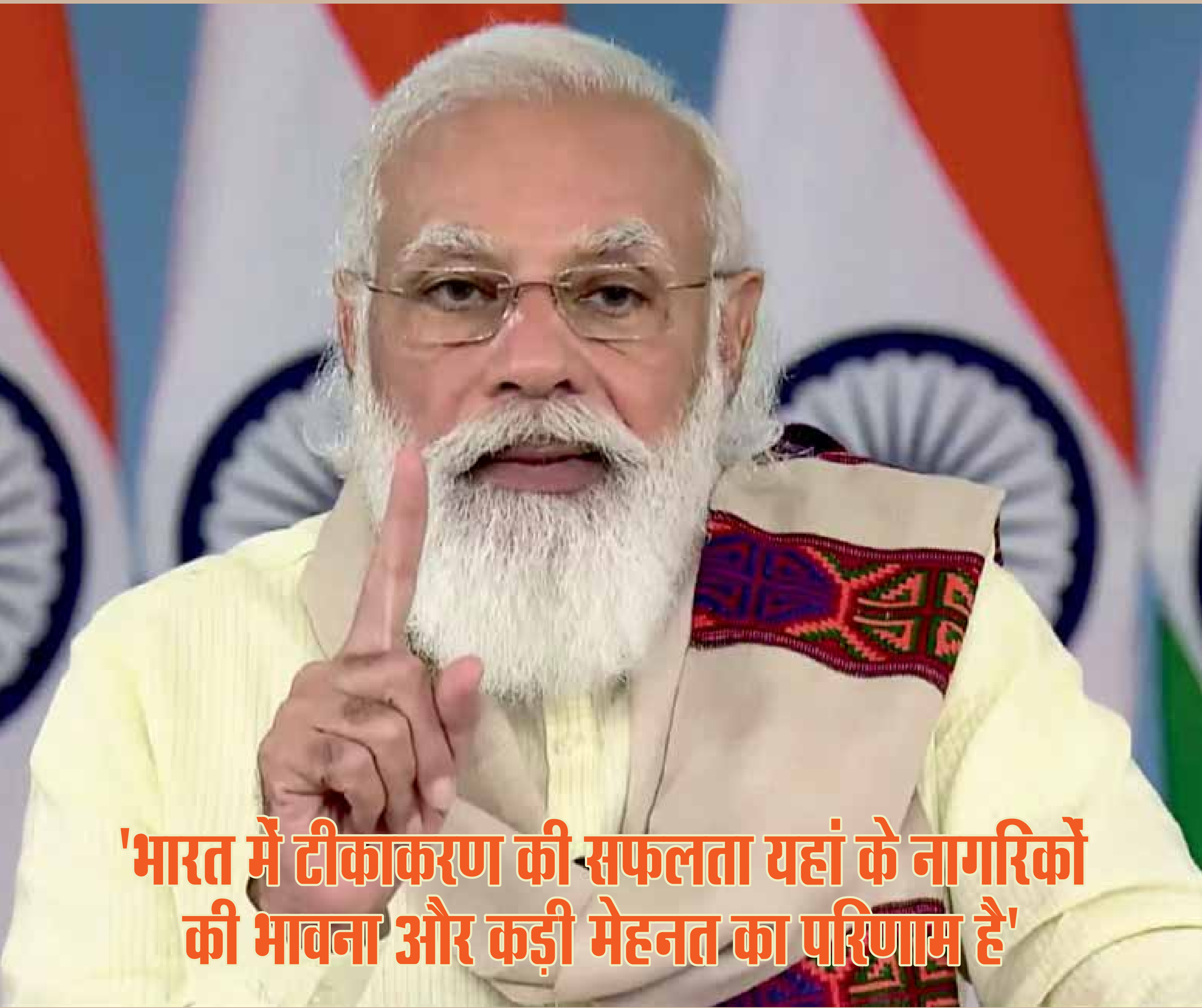

'भारत में टीकाकरण की सफलता यहां के नागरिकों की भावना और कड़ी मेहनत का परिणाम है'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

ऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौते पर हुए हस्ताक्षर

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना

हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्यकर्मियों और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लाभार्थियों से बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी। बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा भी उपस्थित थे

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों और संगठन के महामंत्रियों के साथ बातचीत करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कर्नाटक में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण के बाद स्वतंत्रता सेनानियों को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में 'कार्बी आंगलोंग समझौते' पर हुए हस्ताक्षर। यह मोदी सरकार का 'उग्रवाद-मुक्त, समृद्ध उत्तर-पूर्व' के लिए एक और ऐतिहासिक कदम है

केवड़िया (गुजरात) में भाजपा, गुजरात प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **हिमाचल भारत का पहला राज्य, जिसने राज्य के सभी पात्र लोगों को कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक खुराक दी: नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छह सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्यकर्मियों और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के...

10 **'जन-आशीर्वाद यात्रा' को देश के कोने-कोने से देशवासियों का अपार स्नेह, प्यार और आशीर्वाद मिला है: जगत प्रकाश नड्डा**

देश के स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2021 से...

20 **'श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी ने भक्ति वेदांत को दुनिया की चेतना से जोड़ने का काम किया'**

गत एक सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम...

21 **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता**

दुनिया भर के नेताओं की लोकप्रियता पर नजर रखनेवाली अमेरिका स्थित 'मॉर्निंग कंसल्ट' ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को विश्व के...

23 **ऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौते पर हुए हस्ताक्षर**

गत चार सितंबर को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में असम की क्षेत्रीय अखंडता को सुनिश्चित करने वाले दशकों...

वैचारिकी

उपाध्यायजी की देन: एकात्म मानववाद / **अटल बिहारी वाजपेयी** 16

श्रद्धांजलि

हमारे प्रेरणास्रोत पं. दीनदयाल उपाध्याय 18

साक्षात्कार

देश के राजनीतिक इतिहास में अपनी तरह की पहली 'जन आशीर्वाद यात्रा' : **तरुण चुघ** 26

लेख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, करोड़ों युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करने का एक साधन / **धर्मेंद्र प्रधान** 24

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना / **विकास आनंद** 30

अन्य

कोविड-19 वैक्सीन की 70 करोड़ से अधिक की दी गईं खुराकें 09

कर्नाटक निकाय चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत 11

भाजपा विधानसभा चुनाव प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति 12

रबी फसलों की एमएसपी में भारी वृद्धि सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 400 रुपये बढ़ा 14

शिक्षा के क्षेत्र में नए बदलाव न केवल नीति-आधारित हैं, बल्कि भागीदारी-आधारित भी हैं: नरेन्द्र मोदी 22

किसी भी देश के लिए अपने अतीत की विभीषिकाओं को नजरअंदाज करना सही नहीं: नरेन्द्र मोदी 28

'मन की बात' 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

इतिहास की किताबों में हमारे आदिवासी समाज को भी उतना स्थान नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए था। देश के 9 राज्यों में इस समय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों और उनके संघर्ष को दिखाने वाले म्यूजियम पर काम चल रहा है।

जगत प्रकाश नड्डा

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के मार्गदर्शन में कोरोना के खिलाफ जंग में भाजपा ने 2 लाख गांवों में 4 लाख स्वयंसेवकों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रशिक्षित करने का संकल्प लिया था। हमने 43 दिन में 6.88 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया है जिससे वे प्रभावी तरीके से लोगों की मदद कर सकें।

अमित शाह

जो पूछते हैं कि जम्मू-कश्मीर में क्या परिवर्तन आया, उनको बताना चाहता हूं कि-

- सौभाग्य योजना से 100 प्रतिशत विद्युतीकरण
- सभी को स्वास्थ्य बीमा, गैस व शौचालय
- PMAY-U से 56,088 घरों व PMAY-G से 1,36,722 घरों को स्वीकृति

जो आपने 70 साल में नहीं किया वो मोदीजी ने इतने कम समय में कर दिया।

राजनाथ सिंह

वस्त्र उद्योग में भारत की क्षमता को और अधिक बढ़ाने की दृष्टि से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10683 करोड़ रुपये की पीएलआई स्कीम को मंजूरी दी है। यह योजना कपड़ा उद्योग को मज़बूती देने के साथ बड़ी संख्या में रोज़गार के अवसर भी प्रदान करेगी। प्रधानमंत्रीजी को इसके लिए धन्यवाद!

बी.एल. संतोष

यह भारी वृद्धि है। 2021 की पहली तिमाही में 20.1 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। आशा है कि इसका भौगोलिक और क्षेत्रगत प्रसार भी एकसमान हो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के हाथों में देश सुरक्षित है।

नितिन गडकरी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी देश ही नहीं दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। माननीय प्रधानमंत्रीजी को ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग में फिर से विश्व में सर्वोच्च स्थान मिलने पर बधाई। यह हर देशवासी के लिए गर्व और सम्मान की बात है।

कमल संदेश परिवार की ओर से सुधी पाठकों को

अनंत चतुर्दशी (19 सितंबर)

की हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर विश्व को चमत्कृत कर रहा है

आज जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विश्वभर के नेताओं में 70 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ शीर्ष पर हैं, वहीं, भारत ने सितंबर के दूसरे सप्ताह की शुरुआत तक टीकाकरण के 70 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जिसने एक ही दिन में 1.25 करोड़ से अधिक टीके लगाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। यदि लोगों का यही उत्साह एवं समर्थन बना रहा तो इसमें कोई संदेह नहीं कि पूरे देश में टीकाकरण अभियान समय से पूर्व ही अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेगा। कुछ महीने पूर्व ही जो लक्ष्य असंभव बताकर प्रचारित किया जा रहा था, आज भारत अनेक विकसित देशों को पीछे छोड़ते हुए उस लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ध्यान देने योग्य बात है कि जब विपक्ष के आग्रह पर टीकाकरण अभियान को विकेंद्रित किया गया था, विपक्ष शासित प्रदेशों ने अपनी नाकामी को स्वीकारते हुए हाथ खड़े कर दिए थे। इस कठिन समय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18-44 आयु वर्ग वालों के टीकाकरण की भी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली तथा 21 जून, 2021 से इस अभियान का शुभारंभ किया। परिणामतः आज देश में चल रहे विश्व का सबसे बड़ा एवं तेज टीकाकरण अभियान रिकार्ड पर रिकार्ड बना रहा है तथा जन-जन के स्वास्थ्य रक्षण के लिए कृतसंकल्पित है।

> **एक ओर जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं करिश्माई नेतृत्व में पूरे देश में निःशुल्क टीकाकरण अभियान चल रहा है, वहीं दूसरी ओर 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न भी दिया जा रहा है**

एक ओर जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं करिश्माई नेतृत्व में पूरे देश में निःशुल्क टीकाकरण अभियान चल रहा है, वहीं दूसरी ओर 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न भी दिया जा रहा है। यह केवल एक कीर्तिमान ही नहीं, बल्कि मोदी सरकार की गरीबों के लिए प्रतिबद्धता तथा किसी भी हाल में कोविड-19 महामारी को हराने की संकल्प शक्ति को दर्शाता है। जहां डाक्टरों, नर्सों, चिकित्साकर्मियों, लैब तकनीशियनों, प्रशासनिक अधिकारियों, दवा निर्माताओं एवं कोरोना योद्धाओं ने इस महामारी में अपना अदम्य साहस एवं अटूट संकल्पशक्ति का परिचय दिया है, वहीं देश के वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने इतने कम समय में 'मेड इन इंडिया' टीकों का निर्माण कर पूरे देश का मस्तक ऊंचा किया है। अब पूरे देश में कार्यरत टीकाकरण कर्मियों की प्रतिबद्धता एवं कड़ी मेहनत के कारण हर दिन पूरा देश किसी न किसी सकारात्मक समाचार से गौरव की अनुभूति कर रहा है। यह देश की एकजुट शक्ति का ही परिणाम है कि हर दूसरे-तीसरे दिन एक करोड़ से अधिक टीकाकरण का समाचार प्राप्त हो रहा है, जिससे कोविड-19 महामारी की चुनौतियों का सामना करने की राष्ट्र की इच्छाशक्ति और भी अधिक प्रबल हो रही है।

पूरे राष्ट्र ने न केवल महामारी से लड़ने में दृढ़ संकल्पशक्ति का परिचय दिया है, बल्कि इस दौरान हुए 'लॉकडाउन' से उबरने में पहले से कई गुणा अधिक प्रयास किए गए हैं। एक ओर जहां किसानों ने रिकार्ड उत्पादन कर देश का गौरव बढ़ाया है, वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार ने ना केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भारी बढ़त की है, बल्कि खरीदी भी पहले से बहुत अधिक बढ़ाई है। पिछली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ना इस बात का संकेत है कि अर्थव्यवस्था अब बड़ी छलांग लगाने जा रही है। साथ ही, तेज गति से बढ़ता हुआ निर्यात तथा 'कोर सेक्टर' में 9 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी देश की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संदेश है।

जहां पूरे राष्ट्र ने कोविड-19 महामारी के विरुद्ध लड़ाई में चट्टानी एकता का परिचय दिया, वहीं कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष के एक धड़े ने इस कठिन दौर में नकारात्मक राजनीति कर देश में भय, आशंका एवं संदेह का वातावरण बनाने के प्रयास किए। देश कभी नहीं भूल सकता कि जब करोड़ों भाजपा कार्यकर्ता 'सेवा ही संगठन' अभियान के माध्यम से देश के कोने-कोने में जनता की सेवा कर रहे थे, उस समय कांग्रेस एवं इसके सहयोगी अपने झूठे एवं आधारहीन प्रोपेगेंडा के द्वारा देश का मनोबल तोड़ने में लगे थे। पूरे राष्ट्र ने न केवल महामारी की चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया, बल्कि कांग्रेस एवं इसके सहयोगियों के झूठे प्रोपेगेंडा की राजनीति को भी कड़ा जवाब दिया। आज जब देश हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर विश्व को चमत्कृत कर रहा है, भारत 'अमृतकाल' में एक दिव्य एवं भव्य राष्ट्र की कल्पना को साकार करने की अपनी यात्रा प्रारंभ कर चुका है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री की हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्यकर्मियों और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लाभार्थियों से बातचीत

हिमाचल भारत का पहला राज्य, जिसने राज्य के सभी पात्र लोगों को कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक खुराक दी: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छह सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्यकर्मियों और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लाभार्थियों से बातचीत की। इस अवसर पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर, सांसद, विधायक, पंचायत नेता समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बातचीत के दौरान डोडरा क्वार, शिमला के सिविल अस्पताल के डॉ. राहुल से बातचीत करते हुए श्री मोदी ने टीके की बर्बादी को कम करने के लिए टीम की प्रशंसा की और दुर्गम क्षेत्र में सेवा प्रदान करने के उनके अनुभवों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने थुनाग, मण्डी के टीकाकरण लाभार्थी श्री दयाल सिंह से बात करते हुए टीकाकरण की सुविधाओं और टीकाकरण संबंधी अफवाहों से निपटने के तरीके के बारे में जानकारी ली। लाभार्थी ने श्री मोदी को उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद दिया।

श्री मोदी ने टीम आधारित प्रयासों के लिए हिमाचल टीम की सराहना की। कुल्लू की आशा कार्यकर्ता निरमा देवी से प्रधानमंत्री ने टीकाकरण अभियान संबंधी उनके अनुभव के बारे में जानकारी ली। श्री मोदी ने टीकाकरण अभियान में मदद करने के लिए स्थानीय परंपराओं के उपयोग के बारे में भी बातचीत की। उन्होंने टीम द्वारा विकसित संवाद और सहयोग आधारित मॉडल की प्रशंसा की। उन्होंने पूछा कि कैसे उनकी टीम ने टीके लगाने के लिए लंबी दूरी की यात्रा की।

हमीरपुर की श्रीमती निर्मला देवी के साथ श्री मोदी ने वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव पर चर्चा की, उन्होंने वैक्सीन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और इस अभियान के लिए अपना आशीर्वाद दिया। श्री मोदी ने हिमाचल में जारी स्वास्थ्य योजनाओं की सराहना की। ऊना की कर्मो देवी जी को 22500 लोगों को टीका लगाने का गौरव प्राप्त है। पैर में फ्रैक्चर होने के बावजूद इस दिशा में अपना कार्य जारी रखने के लिए प्रधानमंत्री ने उनके साहस की प्रशंसा की। श्री मोदी ने कहा कि कर्मो देवी जैसे लोगों के प्रयासों से ही दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम जारी है।

हिमाचल प्रदेश 100 वर्षों की सबसे बड़ी महामारी के विरुद्ध लड़ाई में एक चैंपियन के रूप में उभरा है

लाहौल और स्पीति के श्री नवांग उपशाक के साथ बातचीत करते हुए श्री मोदी ने पूछा कि उन्होंने लोगों को टीका लगवाने के लिए मनाने हेतु कैसे

भारत ने दुनिया को कोरोना पर जीत का रास्ता दिखाया है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 अगस्त, 2021 को एक प्रेस-वक्तव्य जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारत ने लगातार महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहा है। पूरी दुनिया में अपने नागरिकों को वैक्सीनेट करने के मामले में भारत पहले स्थान पर है जहां 30 अगस्त तक 200 से भी कम दिनों में वैक्सीनेशन का कुल आंकड़ा 64 करोड़ के पार पहुंच गया है। इस साल दिसंबर तक 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को टीके लगाने के लक्ष्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मोदीजी का सबको वैक्सीन, मुफ्त वैक्सीन का दृढ़ संकल्प रंग ला रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी के दिशानिर्देशन में देशभर में तेज गति से वैक्सीनेशन अभियान चल रहा है। हिमाचल प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसके 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले हर नागरिक को कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक डोज लगाई जा चुकी है। मैं गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि के लिए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, स्वास्थ्य मंत्री श्री राजीव सैजल एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं। मैं हिमाचल की महान जनता को भी नमन करता हूं जिन्होंने कोरोना को हराने की इस निर्णायक लड़ाई में आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभाई है और दुनिया को संदेश दिया है कि सहयोग से हर लक्ष्य को मुमकिन बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व और उनके मार्गदर्शन में भारत ने दुनिया को कोरोना पर जीत का रास्ता दिखाया है। तीन दिन पहले ही 27 अगस्त को पहली बार एक दिन में एक करोड़ से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज लगाकर भारत ने इतिहास रच दिया है। अभी तक किसी भी देश ने एक दिन में इतने टीके नहीं लगाए हैं। हम एक ही दिन में स्विट्जरलैंड, स्वीडन, ऑस्ट्रिया, इजराइल, डेनमार्क, न्यूजीलैंड जैसे देशों और स्कैंडिनेवियाई देशों का टीकाकरण कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि एक ही दिन में कोविड टीकों की एक करोड़ खुराक देना भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली के लिए गर्व की बात है। देश में 63 हजार टीकाकरण केंद्रों के साथ आज हम कोरोना रोधी वैक्सीन की एक करोड़ से अधिक खुराक देने में सक्षम हैं। इस मुकाम को हासिल करने के लिए मैं देश भर के सभी फ्रंटलाइन

वर्कर्स, नर्स, डॉक्टर और हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स के साथ-साथ इसके प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े लोगों को मैं हार्दिक बधाई देता हूं। मैं देश की महान जनता का भी अभिनंदन करता हूं जिनके महती सहयोग से हमारा यह अभियान लगातार नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पूरे देश में कोविड-19 रोधी टीकाकरण की गति को तेज करने और हर नागरिक को वैक्सीनेट करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री नड्डा ने कहा कि हमने अमेरिका द्वारा किये गए वैक्सीनेशन का डेढ़ गुना टीकाकरण अब तक कर लिया है। दुनिया के कई देशों की कुल आबादी से अभी अधिक वैक्सीनेशन भारत में हो चुका है। ये आंकड़े 'न्यू इंडिया' की दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता को दर्शाते हैं। एक दूरद्रष्टा, कर्मठ और परिश्रमी नेतृत्व के मार्गदर्शन में एक देश किस तरह दुनिया को कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का रास्ता दिखा सकता है, यह उदाहरण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने स्थापित कर दिखाया है। टीकों की अनुमान से अधिक आपूर्ति हो रही है और राज्यों के पास भी वैक्सीन के पर्याप्त स्टॉक मौजूद हैं। हमें विश्वास है कि वैक्सीन की बढ़ी सप्लाई से हम इस साल के अंत तक देश के सभी नागरिकों को वैक्सीनेट करने में कामयाब होंगे। ■

- **हिमाचल प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसके 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले हर नागरिक को कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक डोज लगाई जा चुकी है। मैं गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि के लिए हिमाचल प्रदेश की जनता और प्रदेश की भाजपा सरकार को हार्दिक बधाई देता हूं**
- **प्रधानमंत्री मोदीजी का सबको वैक्सीन, मुफ्त वैक्सीन का दृढ़ संकल्प रंग ला रहा है। पूरी दुनिया में अपने नागरिकों को वैक्सीनेट करने के मामले में भारत पहले स्थान पर है जहां 30 अगस्त तक 200 से भी कम दिनों में वैक्सीनेशन का कुल आंकड़ा 64 करोड़ के पार पहुंच गया है**
- **27 अगस्त को पहली बार एक दिन में एक करोड़ से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज लगाकर भारत ने इतिहास रच दिया है। हम एक ही दिन में स्विट्जरलैंड, स्वीडन, ऑस्ट्रिया, इजराइल, डेनमार्क, न्यूजीलैंड जैसे देशों और स्कैंडिनेवियाई देशों का टीकाकरण कर सकते हैं**

एक आध्यात्मिक नेता के तौर में अपनी भूमिका का इस्तेमाल किया। उन्होंने क्षेत्र के जनजीवन पर अटल सुरंग के प्रभाव पर भी चर्चा की। श्री उपशाक ने इससे यात्रा के समय में होने वाली कमी और बेहतर संपर्क की जानकारी दी। श्री मोदी ने लाहौल-स्पीति को सबसे तेजी से टीकाकरण अभियान को अपनाने में मदद करने के लिए बौद्ध प्रमुखों को धन्यवाद दिया। वार्तालाप के दौरान प्रधानमंत्री ने बहुत ही व्यक्तिगत और अनौपचारिक रूप से लोगों से बातचीत की।

श्री मोदी ने आगे संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश 100 वर्षों की सबसे बड़ी महामारी के विरुद्ध लड़ाई में एक चैंपियन के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने अपनी पूरी पात्र आबादी को कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक खुराक दी है। श्री मोदी ने कहा कि इस सफलता ने आत्मविश्वास और 'आत्मनिर्भर भारत' के महत्व को रेखांकित किया है।

प्रतिदिन 1.25 करोड़ टीकों की रिकॉर्ड गति से टीकाकरण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत में टीकाकरण की सफलता यहां के नागरिकों की भावना और कड़ी मेहनत का परिणाम है। भारत प्रतिदिन 1.25 करोड़ टीकों की रिकॉर्ड गति से टीकाकरण कर रहा है। इसका अभिप्राय है कि भारत में एक दिन में टीकाकरण की संख्या कई देशों की जनसंख्या से अधिक है। श्री मोदी ने टीकाकरण अभियान में योगदान के लिए चिकित्सकों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, चिकित्साकर्मियों, शिक्षकों और महिलाओं की प्रशंसा की।

> भारत में टीकाकरण की सफलता यहां के नागरिकों की भावना और कड़ी मेहनत का परिणाम है। भारत प्रतिदिन 1.25 करोड़ टीकों की रिकॉर्ड गति से टीकाकरण कर रहा है। इसका अभिप्राय है कि भारत में एक दिन में टीकाकरण की संख्या कई देशों की जनसंख्या से अधिक है

प्रधानमंत्री ने स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'सबका प्रयास' के संदर्भ में चर्चा की थी, उन्होंने कहा कि यह सफलता उसी की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि हिमाचल देवताओं की भूमि है। श्री मोदी ने संवाद और सहयोग के सामंजस्य पूर्ण मॉडल की प्रशंसा भी की।

श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि लाहौल-स्पीति जैसे सुदूर जिले में भी हिमाचल शत-प्रतिशत प्रथम खुराक देने में अग्रणी रहा है। यह वह क्षेत्र है जो अटल सुरंग बनने से पहले महीनों तक देश के बाकी हिस्सों से कट जाता था। उन्होंने किसी भी अफवाह या दुष्प्रचार को टीकाकरण के प्रयासों में बाधा नहीं बनने देने के लिए हिमाचल के लोगों की सराहना की। श्री मोदी ने कहा कि हिमाचल इस बात का प्रमाण है कि कैसे देश का ग्रामीण समाज दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज टीकाकरण अभियान को सशक्त बना रहा है।

सशक्त होती कनेक्टिविटी

श्री मोदी ने कहा कि सशक्त होती कनेक्टिविटी का सीधा लाभ पर्यटन को भी मिल रहा है। फल-सब्ज़ी का उत्पादन करने वाले किसान-बागवान उत्पादकों को भी इसका लाभ मिल रहा है। गांवों में इंटरनेट कनेक्टिविटी का उपयोग कर हिमाचल की युवा प्रतिभाएं अपनी संस्कृति और पर्यटन की नई संभावनाओं को देश-विदेश में ले जा सकती हैं।

हाल ही में अधिसूचित ड्रोन नियमों का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि ये नियम स्वास्थ्य और कृषि जैसे कई क्षेत्रों में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। श्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर की गई अपनी घोषणाओं में से एक और का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अब महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए एक विशेष ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाने जा रही है। श्री मोदी ने कहा कि इस माध्यम से हमारी बहनें अपने उत्पाद देश और दुनिया में बेच सकेंगी। वे सेब, संतरा, किन्नू, मशरूम, टमाटर जैसे कई उत्पादों को देश के कोने-कोने तक पहुंचा सकने में सक्षम बन सकेंगी।

आजादी का अमृत महोत्सव की पूर्व संध्या पर श्री मोदी ने हिमाचल के किसानों और बागवान उत्पादकों से अगले 25 वर्षों के भीतर हिमाचल में कृषि को जैविक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे हमें अपनी मिट्टी को रसायनों से मुक्त करना होगा। ■

'जन धन योजना' भारत के विकास की दिशा को हमेशा के लिए बदलने वाली पहल: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'पीएम जन धन योजना' के सात वर्ष पूरा होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री मोदी ने 28 अगस्त को कई ट्वीट के माध्यम से कहा कि आज भारत के विकास की दिशा को हमेशा के लिए बदलने वाली एक पहल 'पीएम जन धन योजना' के सात साल पूरे हो रहे हैं। इसने वित्तीय समावेशन और गरिमापूर्ण जीवन के साथ अनगिनत भारतीयों का सशक्तिकरण सुनिश्चित किया है। 'जन धन योजना' से पारदर्शिता बढ़ाने में भी सहायता मिली है।

उन्होंने कहा कि मैं उन सभी लोगों के अथक प्रयासों की सराहना करता हूं, जिन्होंने 'पीएम जन धन योजना' को सफल बनाने के लिए काम किया है। उनके प्रयासों ने भारतीयों के जीवन को ज्यादा गुणवत्तापूर्ण बनाना सुनिश्चित किया है। ■

कोविड-19 वैक्सीन की 70 करोड़ से अधिक की दी गईं खुराकें

आखिरी 10 करोड़ खुराकें महज 13 दिनों में लगाई गईं

भारत ने कोविड-19 टीकाकरण मामले में सात सितंबर को एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस दिन देश का टीकाकरण कवरेज 70 करोड़ (70,63,55,796) के पड़ाव को पार कर गया। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में तीन बार 1 करोड़ से ज्यादा खुराकें लगाई गईं और आखिरी 10 करोड़ खुराकें महज 13 दिनों में लगाई गईं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस उपलब्धि पर प्रशासन की सराहना की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने यह ऐतिहासिक पड़ाव पार होने पर संपूर्ण देश और सभी स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी।

दरअसल, केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून, 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके।

देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही हैं।

इसके अलावा वर्तमान में कोविड-19 के सक्रिय मामले 3,92,864 हैं। वर्तमान में यह सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मामलों का 1.19% हैं। देशभर में जांच क्षमता का विस्तार जारी है। भारत ने अब तक कुल 53.31 करोड़ (53,31,89,348) जांच की गई हैं।

देशभर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, पिछले 74 दिनों से साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 3 प्रतिशत से कम रहते हुए 2.56 प्रतिशत बनी हुई है। दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर कम होकर 2.05 प्रतिशत है। लगातार पिछले 8 दिनों से पुष्टि वाले मामलों की दर 3 प्रतिशत से कम और 92 दिनों से दैनिक 5 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

देश में टीके की खुराक कवरेज को निम्न है:

कुल टीकाकरण खुराकों का विस्तार		
स्वास्थ्यकर्मी	पहली खुराक	1,03,61,604
	दूसरी खुराक	85,17,232
अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी	पहली खुराक	1,83,32,425
	दूसरी खुराक	1,37,16,515
18-44 वर्ष आयु वर्ग	पहली खुराक	28,12,08,799
	दूसरी खुराक	3,72,19,545
45-59 वर्ष आयु वर्ग	पहली खुराक	13,89,38,881
	दूसरी खुराक	5,96,32,288
60 वर्ष से अधिक	पहली खुराक	9,07,78,508
	दूसरी खुराक	4,76,49,999
लगाई जा चुकी कुल पहली खुराक		53,96,20,217
लगाई जा चुकी कुल दूसरी खुराक		16,67,35,579
कुल		70,63,55,796

'जन-आशीर्वाद यात्रा' को देश के कोने-कोने से देशवासियों का अपार स्नेह, प्यार और आशीर्वाद मिला है: जगत प्रकाश नड्डा

'जन-आशीर्वाद यात्रा' को मिले अपार जन-समर्थन के परिप्रेक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 4 सितम्बर, 2021 को प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सर्वांगीण विकास, जन-कल्याण और राष्ट्र की सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए कृतसंकल्पित एवं प्रतिबद्ध केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के नवनियुक्त 39 केंद्रीय मंत्रियों की 'जन-आशीर्वाद यात्रा' को देश के कोने-कोने से देशवासियों का अपार स्नेह, प्यार और आशीर्वाद मिला है

देश के स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2021 से आरंभ होकर 28 अगस्त, 2021 तक 14 दिन चले अभूतपूर्व 'जन-आशीर्वाद यात्रा' ने 24,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की और इस दौरान 5,000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। ये सभी कार्यक्रम अत्यंत ही सफल रहे हैं और जन-भागीदारी के रहे हैं। इस यात्रा की सफलता का पूरा श्रेय देश की जनता को जाता है।

'जन-आशीर्वाद यात्रा' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रिमंडल के नवनियुक्त सदस्यों को अपार समर्थन और अपना आशीर्वाद देने के लिए मैं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से समग्र राष्ट्र की जनता के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करते हुए उनका अभिनंदन करता हूं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को मैं धन्यवाद देता हूं।

2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्रीजी एवं उनके मंत्रिमंडल के हर सदस्य का हर क्षण, हर पल देश की जनता के कल्याण एवं उनके विकास के प्रति समर्पित रहा है और इसी के कारण देश की जनता का आशीर्वाद लगातार माननीय प्रधानमंत्री जी, केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी को मिलता रहा है।

देश के यशस्वी, दूरद्रष्टा एवं लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते सात साल जन-भागीदारी, विकास, विश्वास, समृद्धि, सुरक्षा, भारतीय संस्कृति की महान विरासत की पुनर्स्थापना और जन-कल्याण के प्रति समर्पित रहे हैं। उन्होंने पिछले सात सालों में आपदाओं को भारत के लिए अवसर के रूप में बदला है। चाहे कोविड प्रबंधन हो, दुनिया का सबसे बड़ा और तेज गति से चलने वाला कोविड वैक्सीनेशन ड्राइव हो, दुनिया के किसी कोने में भारतवासियों को हर संकट से निकाल लाने का ऑपरेशन हो या फिर भारतीय संस्कृति की महान विरासत को सहेजने और संरक्षित करने की बात - देश ने देखा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने किस तरह चुनौतियों पर विजय प्राप्त करते हुए दुनिया को आगे बढ़ने की राह दिखाई है।

> "जन-आशीर्वाद यात्रा में हमारे केंद्रीय मंत्रियों को मिला अपार स्नेह, आशीर्वाद और समर्थन प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में देशभर में चल रही विकास यात्रा का परिचायक है। मैं देश के प्रति हर क्षण, हर पल समर्पित रहने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करता हूं"

जन-आशीर्वाद यात्रा में हमारे केंद्रीय मंत्रियों को मिला अपार स्नेह, आशीर्वाद और समर्थन प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में देशभर में चल रही विकास यात्रा का परिचायक है। मैं देश के प्रति हर क्षण, हर पल समर्पित रहने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करता हूं।

'जन-आशीर्वाद यात्रा' की अपार सफलता से डर कर कई विपक्षी पार्टियों ने इसमें विघ्न-बाधाएं उत्पन्न करने की कई असफल कोशिशें कीं, लेकिन वे देश की जनता के मोदी सरकार और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों पर विश्वास को डिगा नहीं पाए। महाराष्ट्र में हमारे केंद्रीय मंत्री श्री नारायण राणे के साथ विपक्षी

कर्नाटक निकाय चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत

भारतीय जनता पार्टी ने 7 सितंबर को संपन्न हुए बेलगवी नगर निगम चुनावों में 58 में से 35 वार्डों पर जीत हासिल की। इन चुनावों में भाजपा को 35, कांग्रेस को 9, निर्दलीय को 13 और एआईएमआईएम को एक सीट पर जीत हासिल हुई। इन चुनावों में 50.41 प्रतिशत मतदान हुआ और 3 सितंबर को हुए इस मतदान में लगभग 2.2 लाख लोग ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। भाजपा ने हुबली-धारवाड़ नगर निगम में 82 में से 39 सीटें जीतीं। कलबुर्गी नगर निकाय में भाजपा ने 55 में से 23 सीटें और बेंगलुरु ग्रामीण में 31 में से 12 सीटें हासिल कीं। शहरी स्थानीय निकाय के इतिहास में यह पहली बार है कि चुनाव पार्टी संबद्धता के आधार पर हुए हैं।

कर्नाटक भाजपा को जीत के लिए बधाई देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने संदेश में कहा, "बेलगावी, हुबली-धारवाड़ और कलबुर्गी के तीन नगर निगम चुनावों में भाजपा पर भरोसा करने के लिए कर्नाटक की जनता को धन्यवाद।

बीएस बोम्मई जी, नलिन कातिल जी और सभी कार्यकर्ताओं को बधाई, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि भाजपा पिछली बार की तुलना में इस बार बड़ी जीत हासिल करें।"

मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई ने नगर निकाय चुनावों में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन पर कहा कि यह परिणाम भविष्य की तस्वीर की ओर संकेत करते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री बीएस येदियुरप्पा और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नलिन कुमार कातिल के नेतृत्व में निगम चुनावों का सामना किया है। उन्होंने भाजपा को समर्थन देने के लिए मतदाताओं का धन्यवाद दिया।

भाजपा-कर्नाटक यूएलबी आम चुनाव – 2021 परिणाम विवरण

	जिला	स्थान	यूएलबी प्रकार	कुल वार्ड	भाजपा	कांग्रेस	जेडीएस	एआईएमआईएम	अन्य
1	हुबली-धारवाड़	हुबली-धारवाड़	सीसी	82	39	33	1	3	6
2	बेलगवी	बेलगावी	सीसी	58	35	10	0	1	12
3	कलबुर्गी	कलबुर्गी	सीसी	55	23	27	4	0	1
4	चिक्कमगलोर	तारिकेरे	टीएमसी	23	1	15	0	0	7
5	बेंगलुरु ग्रामीण	डोड्डाबल्लापुरा	सीएमसी	31	12	9	7	0	3

सीसीः सिटी कॉर्पोरेशन
टीएमसीः टाउन म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन
सीएमसीः सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन

पार्टियों ने जिस तरह से दुर्व्यवहार किया और जनता को निशाना बनाया, यह हम सबने देखा। यह लोकतंत्र पर कुठाराघात था, लेकिन जनता से मिले व्यापक समर्थन ने एक ख़ास एजेंडा और ख़ास मानसिकता वाले विरोधियों को अपने कदम वापस खींचने पर मजबूर कर दिया। देशवासियों ने विपक्ष के मंसूबों को नकारते हुए विकास की राजनीति के प्रति अपना जो विश्वास दिखाया है, इसके लिए मैं उनका ऋणी हूं।

भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सभी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने, विशेषकर विकास की दौड़ में पीछे छूट गए अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। हमारी हर योजना के केंद्र में देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े एवं महिलाएं हैं। हमारा संकल्प अटल है- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। हमारा विश्वास अटल है- देश का सर्वांगीण विकास, देश की सुरक्षा और देश की समृद्धि। हमारा लक्ष्य अटल है- देश को विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित करना। ■

भाजपा विधानसभा चुनाव प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 8 सितंबर, 2021 को विभिन्न प्रदेशों में होनेवाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की:

उत्तर प्रदेश

प्रभारी

श्री धर्मेन्द्र प्रधान
केन्द्रीय शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री

सह-प्रभारी

श्री अनुराग सिंह ठाकुर
केन्द्रीय सूचना और प्रसारण एवं युवा मामले और खेल मंत्री

श्री अर्जुनराम मेघवाल
केन्द्रीय संसदीय कार्य और संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री

सुश्री सरोज पाण्डेय
सांसद, राज्य सभा

सुश्री शोभा करंदलाजे
केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री

श्री कैप्टन अभिमन्यु
पूर्व मंत्री, राज्य सरकार, हरियाणा

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी
केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री

श्री विवेक ठाकुर
सांसद, राज्य सभा

उत्तर प्रदेश (संगठनात्मक प्रभार)

क्षेत्र	प्रभारी
पश्चिम उत्तर प्रदेश	**श्री संजय भाटिया,** सांसद, लोकसभा
बृज	**श्री संजीव चौरसिया,** विधायक, बिहार
अवध	**श्री वाय. सत्या कुमार,** राष्ट्रीय मंत्री, भाजपा
कानपुर	**श्री सुधीर गुप्ता,** राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष
गोरखपुर	**श्री अरविन्द मेनन,** राष्ट्रीय मंत्री, भाजपा
काशी	**श्री सुनील ओझा,** सह प्रभारी, उत्तर प्रदेश

पंजाब

प्रभारी

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री

सह-प्रभारी

श्री हरदीप सिंह पुरी
केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

श्रीमती मीनाक्षी लेखी
केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री, संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री

श्री विनोद चावड़ा
सांसद, लोकसभा

उत्तराखंड

प्रभारी

श्री प्रल्हाद जोशी
केन्द्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री

सह-प्रभारी

श्रीमती लॉकेट चटर्जी
सांसद, लोकसभा

सरदार आर.पी. सिंह
राष्ट्रीय प्रवक्ता

मणिपुर

प्रभारी

श्री भूपेन्द्र यादव
केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, श्रम और रोजगार मंत्री

सह-प्रभारी

सुश्री प्रतिमा भौमिक
केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री

श्री अशोक सिंघल
कैबिनेट मंत्री, राज्य सरकार, असम

गोवा

प्रभारी

श्री देवेन्द्र फडणवीस, पूर्व मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

सह-प्रभारी

श्री जी. किशन रेड्डी, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
श्रीमती दर्शना जर्दोश, केन्द्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री

2021-22 की प्रथम तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में 20.1 प्रतिशत की भारी वृद्धि

कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में 20.1 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई। इसका कारण विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्रों का बेहतर प्रदर्शन रहा है।

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 31 अगस्त, 2021 को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 2021-22 की पहली तिमाही में स्थिर मूल्यों (2011-12) पर अनुमानित जीडीपी 32.38 लाख करोड़ रुपये रही, जबकि 2020-21 की पहली तिमाही में यह 26.95 लाख करोड़ रुपये थी, जिससे 20.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रदर्शित होती है। वहीं, 2020-21 पहली तिमाही में 24.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

2021-22 की पहली तिमाही के लिए बुनियादी मूल्य पर स्थिर (2011-12) मूल्यों पर तिमाही जीवीए अनुमानित रूप से 30.48 लाख करोड़ रुपये है, जबकि 2020-21 की पहली तिमाही में 25.66 लाख करोड़ रुपये रहा था, इससे 18.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रदर्शित होती है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2021-22 की पहली तिमाही में वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी 51.23 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि 2020-21 में यह 38.89 लाख करोड़ रुपये थी जिससे 2020-21 की पहली तिमाही में 22.3 प्रतिशत की कमी की तुलना में 31.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रदर्शित होती है। 2021-22 की पहली तिमाही में वर्तमान मूल्यों पर बुनियादी कीमतों पर जीवीए 46.20 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि 2020-21 की पहली तिमाही में यह 36.53 लाख करोड़ रुपये रहा था। इससे 26.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रदर्शित होती है। ■

जुलाई, 2021 में आठ बुनियादी उद्योगों में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 31 अगस्त, 2021 को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार आठ बुनियादी उद्योगों का संयुक्त सूचकांक जुलाई, 2021 में 134.0 पर रहा, जिसमें जुलाई, 2020 की तुलना में 9.4 प्रतिशत (अनंतिम) की वृद्धि दर्ज की गई। कोयला, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली उद्योग के उत्पादन में जुलाई, 2021 में गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में वृद्धि हुई।

अप्रैल, 2021 में आठ बुनियादी उद्योगों के सूचकांक की अंतिम वृद्धि दर को इसके अनंतिम स्तर 56.1% से संशोधित कर 62.6% कर दिया गया है। अप्रैल-जुलाई 2021-22 के दौरान आईसीआई की वृद्धि दर गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 21.2% (अनंतिम) थी। प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर निम्न है:

कोयला

जुलाई, 2020 के मुकाबले 18.7 प्रतिशत बढ़ गया। वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जुलाई अवधि के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.5 प्रतिशत बढ़ गया।

प्राकृतिक गैस

जुलाई, 2021 में प्राकृतिक गैस का उत्पादन जुलाई, 2020 के मुकाबले 18.9 प्रतिशत बढ़ गया। वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जुलाई अवधि के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 21.0 प्रतिशत बढ़ गया।

पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद

पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन जुलाई, 2021 में जुलाई, 2020 के मुकाबले 6.7 प्रतिशत बढ़ गया। वहीं, वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जुलाई अवधि के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 13.1 प्रतिशत बढ़ गया।

इस्पात

जुलाई, 2021 में इस्पात उत्पादन जुलाई, 2020 के मुकाबले 9.3 प्रतिशत बढ़ गया। वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जुलाई अवधि के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 59.4 प्रतिशत अधिक रहा।

सीमेंट

जुलाई, 2021 के दौरान सीमेंट उत्पादन जुलाई, 2020 के मुकाबले 21.8 प्रतिशत बढ़ गया।

बिजली

जुलाई, 2021 के दौरान बिजली उत्पादन जुलाई, 2020 के मुकाबले 9.0 प्रतिशत बढ़ गया। वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जुलाई, 2020-21 अवधि के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 14.6 प्रतिशत अधिक रहा। ■

रबी फसलों की एमएसपी में भारी वृद्धि
सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 400 रुपये बढ़ा

गेहूं, कैनोला व सरसों (प्रत्येक में 100 प्रतिशत) लाभ होने का अनुमान है। इसके अलावा दाल (79 प्रतिशत), चना (74 प्रतिशत), जौ (60 प्रतिशत), कुसुम के फूल (50 प्रतिशत) के उत्पादन में लाभ होने का अनुमान है

गत आठ सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने रबी विपणन सीजन (आरएमएस) 2022-23 के लिये सभी रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करने को मंजूरी दे दी।

दरअसल, केंद्र सरकार ने रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि की है, ताकि किसानों को उनके उत्पादों की लाभकारी कीमत मिल सके। पिछले वर्ष के एमएसपी में मसूर की दाल और कैनोला (रेपसीड) तथा सरसों में उच्चतम संपूर्ण बढ़ोतरी (प्रत्येक के लिए 400 रुपये प्रति क्विंटल) करने की सिफारिश की गई। इसके बाद चने (130 रुपये प्रति क्विंटल) को रखा गया है। पिछले वर्ष की तुलना में कुसुम के फूल का मूल्य 114 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया है। कीमतों में यह अंतर इसलिए रखा गया है, ताकि भिन्न-भिन्न फसलें बोने के लिये प्रोत्साहन मिले।

रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी केंद्रीय बजट 2018-19 में की गई घोषणा के अनुरूप है, जिसमें कहा गया कि देशभर के औसत उत्पादन को मद्देनजर रखते हुए एमएसपी में कम से कम डेढ़ गुना इजाफा किया जाना चाहिए, ताकि किसानों को तर्कसंगत और उचित कीमत मिल सके। किसान खेती में जितना खर्च करता है, उसके आधार पर होने वाले लाभ का अधिकतम अनुमान किया गया है। इस संदर्भ में गेहूं, कैनोला व सरसों (प्रत्येक में 100 प्रतिशत) लाभ होने का अनुमान है। इसके अलावा दाल (79 प्रतिशत), चना (74 प्रतिशत), जौ (60 प्रतिशत), कुसुम के फूल (50 प्रतिशत) के उत्पादन में लाभ होने का अनुमान है।

'प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान' (पीएम-एएएसएचए) नामक 'अम्ब्रेला स्कीम' की घोषणा सरकार ने 2018 में की थी। इस योजना से किसानों को अपने उत्पाद के लिये लाभकारी कीमत मिलेगी। इस अम्ब्रेला स्कीम में तीन उप-योजनाएं शामिल हैं, जैसे मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस), मूल्य न्यूनता भुगतान योजना (पीडीपीएस) और निजी खरीद व स्टॉकिस्ट योजना (पीपीएसएस) को प्रायोगिक आधार पर शामिल किया गया है। ■

सभी रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (रुपये/क्विंटल में) निम्न है:

फसल	आरएमएस 2021-22 के लिए एमएसपी	आरएमएस 2022-23 के लिए एमएसपी	उत्पादन लागत 2022-23	एमएसपी में बढ़ोतरी (संपूर्ण)	लागत पर लाभ (प्रतिशत में)
गेहूं	1975	2015	1008	40	100
जौ	1600	1635	1019	35	60
चना	5100	5230	3004	130	74
दाल (मसूर)	5100	5500	3079	400	79
कैनोला और सरसों	4650	5050	2523	400	100
कुसुम के फूल	5327	5441	3627	114	50

किसान भाइयों और बहनों के हित में सरकार ने आज एक और बड़ा निर्णय लेते हुए सभी रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं के लिए अधिकतम लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होंगे, वहीं कई प्रकार की फसलों की बुआई के लिए भी उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा।

– नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

अटल पेंशन योजना में कुल नामांकन 3.30 करोड़ के पार

वर्तमान वित्त वर्ष 2021-22 के शुरुआती पांच महीनों में 28 लाख से ज्यादा सदस्यों ने नामांकन कराया

भारत सरकार की गारंटेड पेंशन योजना और पीएफआरडीए द्वारा प्रबंधित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के अंतर्गत वर्तमान वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 28 लाख से ज्यादा नए खाते खोले गए। 25 अगस्त, 2021 तक एपीवाई के अंतर्गत पंजीकृत सदस्यों की संख्या 3.30 करोड़ से ज्यादा हो गई है।

25 अगस्त, 2021 तक एपीवाई के अंतर्गत कुल नामांकनों में से लगभग 78 प्रतिशत सदस्यों ने 1,000 रुपये की पेंशन योजना ली है, वहीं लगभग 14 प्रतिशत ने 5,000 रुपये की पेंशन योजना ली है। इसके अलावा, लगभग 44 प्रतिशत महिला सदस्य हैं और नामांकन करा रहे लगभग 44 प्रतिशत सदस्य काफी युवा हैं तथा 18-25 वर्ष आयु-समूह से संबंधित हैं।

हाल ही में पीएफआरडीए ने एपीवाई मोबाइल ऐप और उमंग प्लेटफॉर्म पर इसकी उपलब्धता में नई खूबियां जोड़ने जैसी पहल की हैं, एपीवाई एफएक्यू में सुधार, एपीवाई योजना की पहुंच बढ़ाने और एपीवाई के मौजूदा व संभावित सदस्यों के साथ ही एपीवाई सेवा प्रदाताओं के लाभ के लिए 13 क्षेत्रीय भाषाओं में एपीवाई सब्सक्राइबर इन्फोर्मेशन ब्राउशर और एपीवाई सिटीजन चार्टर जारी करने जैसी नई पहल की गई हैं।

शुरुआत के बाद से योजना के अंतर्गत नामांकनों की संख्या में बढ़ोतरी से उत्साहित पीएफआरडीए एपीवाई कुल नामांकनों को 2021-22 में नई ऊंचाई पर ले जाने और भारत को एक पेंशनभोगी समाज बनाने की दिशा में अंशदान करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न एपीवाई अभियानों के आयोजन, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के साथ समन्वय, प्रिंट, सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आदि में विज्ञापनों के माध्यम से योजना को लोकप्रिय बनाने के प्रयास जारी रखेगा।

एपीवाई: एक नजर

भारत के 18-40 वर्ष के बीच के आयु वर्ग के किसी भी नागरिक को बैंक या डाक घर शाखा के माध्यम से एपीवाई से जुड़ने का मौका मिलता है, जहां पर उस व्यक्ति का बैंक खाता होना चाहिए। योजना के अंतर्गत एक सदस्य को 60 वर्ष की उम्र से 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक न्यूनतम गारंटेड पेंशन मिलेगी, जो उसके अंशदान पर निर्भर करती है। यही पेंशन सदस्य के जीवन साथी को मिलेगी और सदस्य व जीवन साथी दोनों की मृत्यु पर 60 वर्ष की उम्र तक जमा कुल संचित पेंशन की धनराशि का भुगतान नामांकित व्यक्ति को कर दिया जाएगा।

यह योजना 266 पंजीकृत एपीवाई सेवा प्रदाताओं के माध्यम से वितरित की जाती है, जिनमें बैंक और डाक विभाग की विभिन्न श्रेणियां शामिल हैं। यह योजना सिर्फ बचत बैंक खाता रखने वाले आवेदक को उपलब्ध है, इसलिए पीएफआरडीए नियमित रूप से सभी बैंकों को अपने वर्तमान और संभावित ग्राहकों तक पहुंच के लिए योजना के प्रचार की सलाह देता है। ■

धान की खरीद अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंची

लगभग 129.03 लाख किसान मौजूदा खरीफ विपणन सत्र में एमएसपी मूल्यों पर हुए खरीद कार्यों से लाभान्वित हो चुके हैं और उन्हें 1,64,951.77 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है

धान की खरीद खरीफ विपणन सत्र 2019-20 में पिछले उच्च स्तर 773.45 लाख मीट्रिक टन को पार करते हुए अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। लगभग 129.03 लाख किसान मौजूदा खरीफ विपणन सत्र में एमएसपी मूल्यों पर हुए खरीद कार्यों से लाभान्वित हो चुके हैं और उन्हें 1,64,951.77 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

वर्तमान खरीफ 2020-21 में धान की खरीद इसकी बिक्री वाले राज्यों में सुचारू रूप से जारी है। 23 अगस्त, 2021 तक 873.68 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का क्रय किया जा चुका है (इसमें खरीफ फसल का 707.69 लाख मीट्रिक टन और रबी फसल का 165.99 लाख मीट्रिक टन धान शामिल है), जबकि पिछले वर्ष की इसी समान अवधि में 763.01 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया था।

गेहूं की खरीद का कार्य वर्तमान रबी विपणन सत्र 2021-22 के लिए इसकी खरीद वाले राज्यों में पूरा हो चुका है। अब तक (18.08.2021 तक) 433.44 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी (जो कि अब तक की खरीद का सबसे उच्चतम स्तर है, क्योंकि इसने आरएमएस 2020-21 के पिछले उच्च स्तर 389.93 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद के आंकड़े को पार कर लिया है), जबकि पिछले साल की इसी समान अवधि में 389.93 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया था।

लगभग 49.20 लाख किसान मौजूदा रबी विपणन सत्र में एमएसपी मूल्यों पर हुए खरीद कार्यों से लाभान्वित हो चुके हैं और उन्हें 85603.57 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। ■

उपाध्यायजी की देनः एकात्म मानववाद

अटल बिहारी वाजपेयी

मुझे दीनदयालजी के साथ रहने का मौका मिला था, बरसों हम एक साथ रहे, मिलकर काम करते थे। किसी के साथ रहने पर उसका सही परिचय प्राप्त होता है। मुझे जब 'राष्ट्रधर्म' का काम सौंपा गया, संपादन का कोई अनुभव नहीं था। दो-चार कविताएं लिखी थीं- मा. भाउरावजी की योजना थी, दीनदयालजी का मार्गदर्शन था। राष्ट्रधर्म के पहले अंक का पहला संपादकीय उपाध्यायजी ने लिखा था, नाम हम लोगों के थे, लेखन उनका था। कुछ मामलों में यह सिलसिला अभी तक चल रहा है। लेकिन पत्र निकालने का फैसला हुआ था, लिखना भी शुरू हो गया। दीनदयालजी को भी पत्रकारिता का अनुभव नहीं था।

उनका व्यक्तित्व विलक्षण था। वे काम करते जाते थे। सीखते जाते थे, सिखाते जाते थे। आगे बढ़ाते जाते थे और इसके लिए शब्दों से कम, आचरण से अधिक काम लेते थे। एक दिन प्रेस की बिजली बंद हो गई, तब हम एक दैनिक पत्र भी निकाल रहे थे। सवेरा होनेवाला था, अगर भोर में पत्र नहीं पहुंचा बाजार में तो फिर कोई खरीदार न होगा। लेकिन बिजली चली गई हैं, मशीन चले कैसे? उपाध्यायजी मशीन चलाने में जुट गए। टेक्नोलॉजी का इतना विकास नहीं हुआ था। नानाजी घटना से परिचित हैं। समय पर अखबार निकलना चाहिए, बिजली नहीं है तो हम जुटेंगे और समय पर अखबार निकालेंगे। ऐसे कई प्रसंग आए। एक प्रसंग में तो वे थककर चूर हो गए। बेहोश हो गए थे। अब उन्हें इस तरह से काम करते हुए देखकर अगर थोड़ा-बहुत आलस्य मन में पैदा होता था वह भी दूर भाग जाता था या भगाना पड़ता था। इस तरह का उनका व्यवहार था।

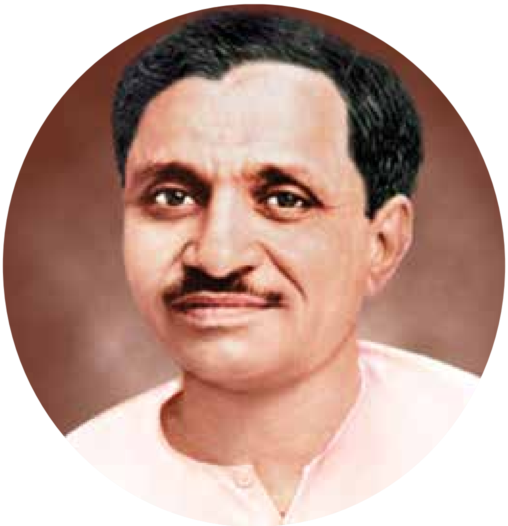

मुझे एक घटना और याद है। आज जो परिस्थिति है, उसके संदर्भ में वह घटना बड़ी महत्त्वपूर्ण है। उसका स्मरण बहुत मूल्यवान् है। संघ पर से प्रतिबंध हटा था। परम पूज्यनीय गुरुजी उत्तर प्रदेश का प्रवास कर रहे थे। उनके साथ कई प्रमुख अधिकारी थे, दीनदयालजी भी थे। पत्रकार के नाते मैं भी था और हम एक जगह से दूसरी जगह जा रहे थे। रेलगाड़ी का उपयोग कर रहे थे। परम पूज्यनीय गुरुजी अलग डिब्बे में थे, हम लोग अलग डिब्बे में बैठे थे। बीच में परम पूज्यनीय गुरुजी को दीनदयालजी से बात करने की आवश्यकता हुई तो अगले स्टेशन पर उतरकर दीनदयालजी अपने डिब्बे से पूज्यनीय गुरुजी के डिब्बे में चले गए। वह ऊंचा दर्जा था। दीनदयालजी वहां थोड़ी देर बात करते रहे। अगले स्टेशन पर वापस आ गए। वापस आने के बाद उनकी नजर चारों तरफ दौड़ने लगी। वे कुछ बेचैन हो गए। हम लोगों ने पूछा क्या कठिनाई है, क्या हुआ पंडितजी कहने लगे मैं टी.टी.ई. को ढूंढ रहा हूं। मैं जिस डिब्बे में यात्रा कर रहा था, वह निचले दर्जे का था, उसी का टिकट मेरे पास है, मगर थोड़ी देर के लिए मैं ऊंचे दर्जे में बैठा था जाकर पूज्यनीय गुरुजी से बात करने के लिए। तो इस बीच का जो किराया बढ़ा हुआ है, मैं उसका भुगतान करना चाहता हूं। मानो व्यवहार की एक रेखा खींच दी। कुछ कहा नहीं, कहने की आवश्यकता भी नहीं थी।

पारदर्शी प्रामाणिकता, आज इसकी चर्चा बहुत होती है, व्यवहार में कितनी है, हम सब लोग जानते हैं। बिना टिकट के यात्रा कर ली और किसी ने पकड़ा नहीं तो मानो बड़ा तीर मार लिया। अब वक्त ऐसा पहुंच गया है। सब नागरिक अगर अपने दायित्व का इसी तरह से पालन करें; लेकिन इसके लिए केवल नागरिकता नहीं, प्रखर देशभक्ति का भाव चाहिए। उसके साथ सबको समान दृष्टि से समग्रता में समस्याओं को देखने की तैयारी भी चाहिए। वह वादों का जमाना था, अमेरिका पूंजीवाद का सर्वेसर्वा बना था। फिर साम्यवाद तसवीर में आया। बीच में कभी लोकतांत्रिक समाजवाद का स्वर भी सुनाई देता था। सबके मूल में भाव यह था कि व्यक्ति और समाज में परस्पर संघर्ष है। कोई व्यक्ति की स्वतंत्रता पर बल देता था, कोई समाज की प्रभुता पर बल देता था। लेकिन जो समाज का नाम लेते थे, वे भी दल के आधार पर अपना प्रभुत्व चाहते थे। पूंजीवाद भी सारे समाज की चिंता नहीं करता था। केवल लाभ की चिंता करता था। आज भी कर रहा है। हम लोग राजनीति में आए किन परिस्थितियों में आए, उनमें जाने की आवश्यकता नहीं है।

उपाध्यायजी चिंतक थे, विचारक थे, और मौलिक विचारक थे। विरासत में जो कुछ मिला हैं और यह पांच हजार साल से अधिक की विरासत है, इसमें हम कुछ अभिवृद्धि करके जाएंगे, कुछ योगदान करके जाएंगे। यह उनका संकल्प था। वह बार-बार कहते थे कि हमें उज्ज्वल अतीत से प्रेरणा लेनी है, मगर उज्ज्वलतर भविष्य का निर्माण करना है। वे चेतावनी देते थे कि हमें भूतजीवी नहीं बनना

है दृष्टि भविष्य की ओर चाहिए। अतीत के गौरव की सारी पूंजी हमें संबल प्रदान करेगी। उनसे हम लोगों ने अनुरोध किया कि कोई ऐसा शब्द तैयार करिए, जो एक या दो शब्द में हमारी विचारधारा को प्रकट करे।

'एकात्म मानववाद' यह उपाध्यायजी की देन थी। इंटेग्रल ह्यूमेनिज्म- सारी मानवता का विचार। टुकड़ों में विचार नहीं समग्रता में। कोई केवल शरीर की चिंता करता है, कोई केवल मन की चिंता करता है, लेकिन पुरुषार्थ जहां जीवन दर्शन के रूप में फला-फूला वहां जीवन के हर पहलू की चिंता की गई है, हर पहलू का विचार किया गया है। उसके विकास का प्रबंध किया गया है। अर्थ चाहिए। पहले राजनीति का समावेश भी अर्थ में होता था। चाणक्य ने अर्थशास्त्र लिखा राजनीति शास्त्र नहीं लिखा, क्योंकि अर्थ में राजनीति आती हैं। आनी चाहिए। जीवन में अर्थ की आवश्यकता होती है। हृदय में कामनाएं उठती हैं। अपेक्षाएं होती हैं। आशाएं होती हैं। अर्थ और काम, दोनों जीवन के अंग हैं। लेकिन अर्थ को धर्म से और काम को मोक्ष से जोड़कर, जो तसवीर बनती है वह जिंदगी की पूरी तसवीर बनती है। वह किसी एक वाद से बंधी हुई नहीं है। संपूर्ण मानवता उसके चिंतन का केंद्र है।

दीनदयालजी की जन्मतिथि पर बहुत कुछ कहने के लिए है। ये पिछले पांच-छह महीने के अनुभव भी हैं। नानाजी नौकरशाहों को फटकार लगाकर आगे नहीं बढ़े हैं और भी दोषी लोग हैं। नौकरशाही का इस रूप में विकास कैसे हुआ? आज नौकरशाही हावी होती हुई क्यों दिखाई दे रही है? जो राजनीति में है वे किस तरह का आदर्श रख रहे हैं। अपने विचार से अपने व्यवहार से? उसका जीवन के हर क्षेत्र पर असर हो रहा है। हम न्यायपालिका की स्वतंत्रता की बात करते हैं, न्यायपालिका स्वतंत्र है भी, लेकिन कुछ मामलों में निर्णय देखकर मन में यह डर पैदा होता है कि क्या अब शासन अदालत चलाएगी? लेकिन अगर कार्यपालिका अपने दायित्व का पालन नहीं करेगी तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। लोग उसका स्वागत करते हैं। लेकिन वह भी एक सीमा में होना चाहिए। समग्रता में जीवन को, चाहे वह राष्ट्र का जीवन हो, चाहे व्यक्ति का जोवन हो, या विश्व की मानवता का अस्तित्व, जब तक सबको समग्रता में नहीं देखा जाएगा और सामंजस्य, समन्वय- ये हमारी संस्कृति के आधार हैं मगर उसका विचार नहीं किया जाएगा, उसका प्रयास नहीं किया जाएगा तो समाज बिखरता जाएगा, टूटता जाएगा। हम समस्याओं को पूरी तरह से हल नहीं कर सकेंगे।

दीनदयालजी का व्यक्तित्व विलक्षण था। वे काम करते जाते थे। सीखते जाते थे, सिखाते जाते थे। आगे बढ़ाते जाते थे और इसके लिए शब्दों से कम, आचरण से अधिक काम लेते थे

मुझे चित्रकूट में जाने का अवसर तो नहीं मिला, मैं जाना जरूर चाहता हूं। दीनदयाल शोध संस्थान की तरफ से गोंडा में जो किया गया, उसके बारे में मुझे कुछ जानकारी है। इस तरह के काम की बड़ी आवश्यकता है। दंपति मिलकर एक क्षेत्र में, समय देकर उस क्षेत्र को बदलने के लिए और केवल भौतिक दृष्टि से नहीं, मानसिक दृष्टि से भी उसमें परिवर्तन लाने के लिए जो प्रयास कर रहे हैं, वे अपने में स्तुत्य हैं। सरकार के भरोसे बहुत ज्यादा काम नहीं हो सकते। सरकार के सीमित साधन हैं और जो सीमित साधन हैं वे भी अपने को बनाए रखने पर खर्च हो रहे हैं। राज्य की जितनी आमदनी है उससे ज्यादा तनख्वाह में जा रही है हर महीने विकास कहां से होगा? किसके धन से होगा? और जो धन अगर बचा हुआ है, वह भी विकास में नहीं जा रहा है। कहां जा रहा है? यह एक बड़े रहस्य का विषय है। खर्चा हो रहा है, योजनाएं बनी हैं। पट्टे लगे हुए हैं। किसके लिए बनी हैं? जिनके लिए बनी हैं क्या उनको उनका लाभ पहुंच रहा है? अब इसकी खोजबीन के लिए कमेटी बनाई जा सकती है और कमेटी जरा गहराई में जाएगी, इसलिए जल्दी अपनी रिपोर्ट पेश नहीं कर सकती। उसको गहरा गोता लगाना है। अगर उसका समय समाप्त हो जाएगा तो वे कहेंगे कि समिति की अवधि बढ़ाई जाए। फिर जो रिपोर्ट आएगी, उसे कोई पढ़ेगा नहीं।

छह महीने के अनुभव अच्छे अनुभव हैं। लेकिन तसवीर इतनी निराशाजनक नहीं है जितनी कभी-कभी बनाकर पेश की जाती है। सैकड़ों गैर-सरकारी संस्थाएं इस देश में काम कर रही हैं। बिना सरकार की मदद के बिना सरकार से जुड़े हुए छोटे-छोटे दल, छोटी-छोटी इकाइयां, जो अंधेरे में मानो दीया जलाकर बैठी है। क्या सारा अंधकार उस एक दीये से दूर होगा? कभी-कभी मन में निराशा पैदा होना स्वाभाविक है। लेकिन जो दीया जलाकर बैठा है, उसके मन में निराशा नहीं है। वह छोटे से दीये की लौ केवल बाहर को प्रकाशित कर रही है, वह अभ्यंतर को ज्वल्यमान कर रही है, प्रकाशमान कर रही है और लोग लगे हैं, सैकड़ों संस्थाएं।

नानाजी यहां बैठे हैं। दीनदयालजी के साथ अगर किसी व्यक्ति का सबसे अधिक नाम लिया जाता है, जो उनके संपर्क में सबसे अधिक रहा, वह आदरणीय नानाजी देशमुख हैं। उस समय जो स्वयंसेवक थे, बाल स्वयंसेवक थे, वे अब बड़े हो गए हैं, अपने-अपने स्थानों पर काम में लगे हुए हैं। लेकिन उन्हें भी यह याद दिलाते रहना जरूरी है कि अभी सपनों का भारत बनाने में काफी कसर है। काफी लंबा रास्ता है, कठिन रास्ता है। उधर हम बढ़ रहे हैं, लेकिन गति धीमी है। यह गति बढ़े, हम प्रेरणा जुटाकर कर्तव्य पथ पर तेजी से चलें। उपाध्यायजी ने जिस भारत की कल्पना की थी, उसकी हम रचना कर सकें। कम-से-कम उस लक्ष्य तक लगभग पहुंच सकें, इसके लिए सम्मिलित प्रयास की आवश्यकता है। मुझे विश्वास है कि आज की जन्मतिथि हमें इस काम के लिए प्रेरणा देगी। ■

(18 सितंबर, 1998 को दीनदयाल शोध संस्थान, नई दिल्ली में राष्ट्र नवरचना योगदान के अवसर पर दिया गया भाषण)

हमारे प्रेरणास्रोत पं. दीनदयाल उपाध्याय

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म अपने नाना पं. चुन्नीलाल जी के घर धनकिया (राजस्थान) में 25 सितंबर, 1916 को हुआ। उनका पैतृक स्थान नगला चंद्रभान (दीनदयालधाम) है। दीनदयाल जन्मभूमि स्मारक समिति ने यहां एक भव्य स्मारक का निर्माण किया है।

इनके पिता का नाम पं. भगवती प्रसाद उपाध्याय और माता का नाम श्रीमती रामप्यारी था।

पं. भगवती प्रसाद जी 'जलेसर रोड' स्टेशन के स्टेशन मास्टर थे। वैसे, मूलतः वे भगवान् कृष्ण की पावन जन्मभूमि मथुरा जिले के नगला चंद्रभान नामक गांव के रहने वाले थे।

दीनदयाल जी के जन्म के दो वर्ष पश्चात् एक छोटे भाई ने जन्म लिया। उसका नाम रखा गया 'शिवदयाल'।

जब दीनदयाल जी लगभग ढाई वर्ष के थे, तब एक दुर्घटना में इनके पिता को श्राद्ध के दिनों में किसी ने खिचड़ी में विष दे दिया। विष–प्रकोप से उनका नवरात्र की चतुर्थी को देहावसान हो गया।

फलस्वरूप इनकी माता जी दोनों पुत्रों को लेकर अपने पिता के घर आ गईं।

अभी चार ही वर्ष बीते होंगे कि 8 अगस्त, 1924 को माता श्रीमती रामप्यारी का निधन हो गया।

आठ वर्षीय 'दीना' और साढ़े छह वर्षीय 'शिव' अनाथ हो गए, माता–पिता के स्नेह से वंचित हो गए।

दोनों भाई मामा के संरक्षण में जीवनयापन कर रहे थे कि विधि को यह जोड़ी भी एक आंख न भाई। 18 नवम्बर, 1934 को छोटे भाई शिवदयाल की निमोनिया से मृत्यु हो गई और 'दीना' अब जीवन में सर्वथा एकाकी रह गया।

दीनदयाल जी की इंटरमीडियट तक पढ़ाई राजस्थान में हुई। वे पढ़ाई में काफी होनहार थे। स्नातक कानपुर के श्री सनातन धर्म कॉलिज से किया। अधिस्नातक की पढ़ाई के लिये आगरा के सेंट जॉन्स कॉलेज में प्रवेश लिया।

दीनदयाल जी एक मेधावी छात्र थे तथा विभिन्न परीक्षाओं में सर्वप्रथम आते रहे। अनेक बार उन्हें छात्रवृत्ति एवं परितोषिक प्राप्त हुआ।

प्रशासनिक सेवा परीक्षा में भी वे प्रथम आए, परन्तु उन्हें यह नौकरी पसंद नहीं थी। बी. टी. करने के लिये प्रयाग चले गये।

विद्यार्थी जीवन से ही दीनदयालजी का संघ कार्य से जुड़ना हुआ। उन्होंने जीवनपर्यन्त राष्ट्रहित में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक जीवन का व्रत लिया।

1942 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिला प्रचारक तथा 1945 से सह–प्रांत प्रचारक का दायित्व आपके कंधों पर आ गया।

जनसंघ की स्थापना के समय श्री गुरुजी ने डॉ. मुखर्जी के आग्रह पर जिन स्वयंसेवकों को संगठन कार्य के लिए सौंपा उनमें पं. दीनदयाल जी भी थे।

दिसंबर 1952 के कानपुर अधिवेशन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दीनदयाल जी को उनकी प्रतिभा, संगठन–कौशल एवं राजनैतिक सूझबूझ के कारण अखिल भारतीय महामंत्री घोषित किया। उन्होंने इस दायित्व का निर्वहन 1967 तक किया। उनकी क्षमता देखकर डॉ. मुखर्जी ने कहा कि "यदि मुझे दो दीनदयाल और मिल जायें, तो मैं भारत की राजनीति का नक्शा बदल दूं।"

दिसंबर, 1967 में संपन्न कालीकट अधिवेशन में दीनदयाल जी जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने।

11 फरवरी, 1968 को दीनदयाल जी की दर्दनाक हत्या हो गयी। उनका पार्थिव शरीर मुगलसराय रेलवे स्टेशन के समीप रहस्यमय स्थिति में मिला, जिससे पूरा देश स्तब्ध हो गया।

एकात्म मानवदर्शन

भारतीय जनसंघ या भारतीय जनता पार्टी भारत को प्राचीन एवं सनातन राष्ट्र मानती है। पश्चिम की राष्ट्र–राज्य परिकल्पना से पुरानी कल्पना भारत के 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की है। भारतीय संस्कृति की एक गौरवसम्पन्न ज्ञान–परम्परा हैं हमें इसी ज्ञान–परम्परा में भारत का भविष्य खोजना चाहिए।

अतः मौलिक भारतीय चिन्तन के आधार पर विकल्प देने के लिए दीनदयाल जी ने सिद्धांत और नीति के रूप में 'एकात्म मानववाद' प्रस्तुत किया जो भारतीय जनता पार्टी का मूल दर्शन बना है।

यह विचार व्यक्ति बनाम समाज नहीं वरन व्यक्ति और समाज की एकात्मता का विचार है। यह मानव बनाम प्रकृति नहीं वरन मानव के साथ प्रकृति की एकात्मता का विचार है। भौतिक बनाम अध्यात्मिक नहीं वरन इनकी एकात्मता का विचार है।

एकात्म मानव दर्शन में व्यक्ति के समग्र सुख की कल्पना की गई है। इसमें शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा के समन्वय और एकात्मकता

जनसंघ कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्री देव प्रसाद घोष, श्री रामाराव एवं जनसंघ, दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष श्री गुरुदत्त

जनसंघ के नेताओं के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय

का विचार है तथा हर विषय को समग्रता में देखा गया है। 'सबका साथ, सबका विकास' इसी अवधारणा का प्रकटीकरण है।

अंत्योदय (गरीब कल्याण)

दीनदयाल जी ने कहा था, "आर्थिक योजनाओं और आर्थिक प्रगति का माप समाज में ऊपर की सीढ़ी पर पहुंचे हुए व्यक्ति नहीं, बल्कि सबसे नीचे के स्तर पर विद्यमान व्यक्ति से होगा।"

अंत्योदय अर्थात् समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण। उन्होंने कहा, "हमारी भावना एवं सिद्धांत है कि मैले-कुचैले, अनपढ़ लोग हमारे नारायण हैं। हमें इनकी पूजा करनी है। यह हमारा सामाजिक एवं मानव धर्म है।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की राजग सरकार तथा विभिन्न प्रदेशों में भाजपा सरकारें दीनदयाल जी के बताये अंत्योदय के रास्ते पर निरंतर चल रहीं हैं तथा गांव, गरीब, किसान, वंचित, शोषित, युवा एवं महिलाओं के कल्याण के प्रति समर्पित हैं।

देश के गरीब से गरीब व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा में लेकर मुद्रा, जनधन, उज्ज्वला (गरीबों को मुफ्त गैस कनेक्शन), स्वच्छता मिशन, शौचालय निर्माण, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, गृह निर्माण, सस्ती दवा व इलाज जैसी योजनाओं से उनके जीवन स्तर को उठाया जा रहा है।

एक ओर जहां किसानों की आय दुगुनी करने के लक्ष्य के साथ अनेक योजनाएं एवं तकनीक के माध्यम से कृषि को उन्नत तथा सिंचाई के लिए व्यापक व्यवस्था की जा रही है, वहीं केन्द्रीय बजट के माध्यम से गांवों पर निरंतर भारी निवेश किया जा रहा है।

भ्रष्टाचार, काले धन एवं सरकारी धन की लूट पर कड़ाई से रोक लगाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश का धन गांव, गरीब एवं किसान के कल्याण पर लगाने का संकल्प लिया है। इससे देश से गरीबी दूर कर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। ■

> बेहद कम समय में एक पार्टी ने विपक्ष से विकल्प तक का सफर तय किया और यह दीनदयाल जी द्वारा रखी गयी नींव के कारण हुआ। विचारधारा आधारित राजनीतिक पार्टियां, दीनदयाल जी का देश को एक अद्भुत देन हैं। यही जनसंघ और भाजपा की पहचान है। पं. दीनदयाल उपाध्याय के प्रयासों को डॉ. लोहिया ने भी पहचाना, जिसका परिणाम था कि जनता को सन् 1967 में कांग्रेस का एक विकल्प मिला। दीनदयाल जी ने 'कार्यकर्ता निर्माण' को बढ़ावा दिया और उनसे प्रभावित कार्यकर्ता पार्टी केंद्रित थे और पार्टी राष्ट्र केंद्रित। पंडित दीनदयाल जी के विचारों के मूल में गरीब, ग्राम, किसान, दलित और हाशिए पर खड़े लोग थे। इनका उत्थान ही हमारा लक्ष्य है।
>
> – **नरेन्द्र मोदी**
> **प्रधानमंत्री**

श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी की 125वीं जयंती पर एक विशेष स्मारक सिक्का जारी

श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी ने भक्ति वेदांत को दुनिया की चेतना से जोड़ने का काम किया: नरेन्द्र मोदी

एक समय अगर स्वामी विवेकानंद जैसे मनीषी आगे आए जिन्होंने वेद-वेदान्त को पश्चिम तक पहुंचाया, तो वहीं विश्व को जब भक्तियोग को देने की ज़िम्मेदारी आई तो श्रील प्रभुपाद जी और इस्कॉन ने इस महान कार्य का बीड़ा उठाया

गत एक सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी की 125वीं जयंती के अवसर पर एक विशेष स्मारक सिक्का जारी किया। केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी एवं अन्य गणमान्यजन इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर गणमान्यजनों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने परसों जन्माष्टमी और आज श्रील प्रभुपाद जी की 125वीं जयंती के सुखद संयोग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये ऐसा है जैसे साधना का सुख और संतोष एक साथ मिल जाए। श्री मोदी ने यह भी कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाए जाने के बीच यह अवसर आया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी भाव को आज पूरी दुनिया में श्रील प्रभुपाद स्वामी के लाखों करोड़ों अनुयायी और लाखों करोड़ों कृष्ण भक्त अनुभव कर रहे हैं।

श्री मोदी कहा कि हम सभी जानते हैं कि प्रभुपाद स्वामी एक अलौकिक कृष्णभक्त तो थे ही, साथ ही वे एक महान भारत भक्त भी थे। उन्होंने देश के स्वतन्त्रता संग्राम में संघर्ष किया था। उन्होंने असहयोग आंदोलन के समर्थन में स्कॉटिश कॉलेज से अपना डिप्लोमा तक लेने से मना कर दिया था।

योग के हमारे ज्ञान का पूरे विश्व में प्रसार हुआ

श्री मोदी ने कहा कि योग के हमारे ज्ञान का पूरे विश्व में प्रसार हुआ है और भारत की सस्टेनेबल लाइफस्टाइल, आयुर्वेद जैसा विज्ञान दुनिया भर में फैल गया है। श्री मोदी ने कहा कि यह हमारा संकल्प है कि इसका लाभ पूरे विश्व को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भी हम किसी अन्य देश में जाते हैं और जब वहां मिलने वाले लोग 'हरे कृष्णा' कहते हैं, तो हमें काफी अपनापन और गर्व महसूस होता है। श्री मोदी ने कहा कि हमें यह अहसास तब भी होगा, जब 'मेक इन इंडिया' उत्पादों के लिए भी यही अपनापन मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम इस संबंध में इस्कॉन से काफी कुछ सीख सकते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि गुलामी के समय में भक्ति ने ही भारत की भावना को जीवित रखा था। उन्होंने कहा कि विद्वान यह आकलन करते हैं कि यदि भक्ति काल में कोई सामाजिक क्रांति नहीं हुई होती तो भारत कहां होता और किस स्वरूप में होता, इसकी कल्पना करना मुश्किल है। भक्ति ने आस्था, सामाजिक क्रम और अधिकारों के भेदभाव को खत्म करके जीव को ईश्वर के साथ जोड़ दिया। उस मुश्किल दौर में भी चैतन्य महाप्रभु जैसे संतों ने हमारे समाज को भक्ति भावना के साथ बांधा और 'आत्मविश्वास पर विश्वास' का मंत्र दिया।

श्री मोदी ने कहा कि एक समय अगर स्वामी विवेकानंद जैसे मनीषी आगे आए जिन्होंने वेद-वेदान्त को पश्चिम तक पहुंचाया, तो वहीं विश्व को जब भक्तियोग को देने की ज़िम्मेदारी आई तो श्रील प्रभुपाद जी और इस्कॉन ने इस महान कार्य का बीड़ा उठाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने भक्ति वेदान्त को दुनिया की चेतना से जोड़ने का काम किया।

श्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया के विभिन्न देशों में सैकड़ों इस्कॉन मंदिर हैं और कई गुरुकुल भारतीय संस्कृति को जीवित रखे हुए हैं। इस्कॉन ने दुनिया को बताया कि भारत के लिए आस्था का मतलब- उमंग, उत्साह, उल्लास और मानवता पर विश्वास है। श्री मोदी ने कच्छ के भूकंप, उत्तराखंड हादसे, ओडिशा और बंगाल में आए चक्रवात के दौरान इस्कॉन द्वारा किए गए सेवा कार्य पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने महामारी के दौरान इस्कॉन द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अप्रूवल रेटिंग सबसे अधिक 70% है

दुनिया भर के नेताओं की लोकप्रियता पर नजर रखनेवाली अमेरिका स्थित 'मॉर्निंग कंसल्ट' ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को विश्व के प्रमुख 13 नेताओं में सर्वाधिक लोकप्रिय बताया है। इसका सर्वेक्षण डाटा साप्ताहिक आधार पर अपडेट किया जाता है। 'मॉर्निंग कंसल्ट' ने 2 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली, जापान, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के 13 नेताओं की अप्रूवल (स्वीकार्यता) रेटिंग को अपडेट किया है। यह अप्रूवल रेटिंग प्रत्येक देश के वयस्क नागरिकों के सात-दिवसीय सर्वे के औसत पर आधारित होती हैं, जिसके नमूने का आकार विभिन्न देश के अनुसार भिन्न होता है।

मॉर्निंग कंसल्ट के इस सर्वे में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अप्रूवल रेटिंग सबसे अधिक 70% है। सर्वे में दूसरे नंबर पर मेक्सिको के राष्ट्रपति लोपेज ओबराडोर (64%) और तीसरे नंबर पर इटली के पीएम द्रागी (63%) हैं। जर्मनी की चांसलर एंगेला मर्केल (52%) चौथे व अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन (48%) पांचवें स्थान पर हैं।

'मॉर्निंग कंसल्ट' वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की स्वीकार्यता के बारे में 11,000 से अधिक दैनिक साक्षात्कार करती है और अमेरिका में राष्ट्रपति और कांग्रेस के चुनावों के बारे में पंजीकृत मतदाताओं के साथ 5,000 दैनिक साक्षात्कार आयोजित करती है। वयस्कों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर सभी साक्षात्कार ऑनलाइन आयोजित किए जाते हैं।

हर देश में उम्र, लिंग, क्षेत्र और कुछ देशों में आधिकारिक सरकारी स्रोतों के आधार पर, शिक्षा के विश्लेषण के आधार पर सर्वेक्षणों को महत्व दिया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में सर्वेक्षणों को नस्ल और जातीयता के आधार पर भी महत्व दिया जाता है। उत्तरदाता इन सर्वेक्षणों को अपने देशों के लिए उपयुक्त भाषाओं में पूरा करते हैं। ■

गौरव और सम्मान की बात

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की शीर्ष रेटिंग को पूरे देश के लिए गौरव और सम्मान की बात बताया। श्री नड्डा ने एक ट्वीट में कहा कि देश के सर्वोच्च नेता आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी का ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग में सर्वोच्च स्थान मिलना पूरे देश के लिए गर्व और सम्मान की बात है। ये उनकी लोक कल्याणकारी नीतियों को मिले जन-आशीर्वाद का फल है जो उन्हें वैश्विक नेताओं की सूची में शीर्ष पर लाया है।

सर्वेक्षण पर टिप्पणी करते हुए गृहमंत्री श्री अमित शाह ने एक ट्वीट में कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' और कठोर मेहनत करनेवाला उसका नेतृत्व दुनिया में अग्रणी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी 70 प्रतिशत की ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग के साथ दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। यह मोदी जी के कार्यों और दूरदर्शी नेतृत्व में प्रत्येक भारतीय के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री द्वारा शिक्षक पर्व के पहले सम्मेलन का संबोधन

शिक्षा के क्षेत्र में नए बदलाव न केवल नीति-आधारित हैं, बल्कि भागीदारी-आधारित भी हैं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सात सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षक पर्व के पहले सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोश (श्रवण बाधितों के लिए ऑडियो और पाठ आधारित सांकेतिक भाषा वीडियो, ज्ञान के सार्वभौमिक डिजाइन के अनुरूप), बोलने वाली किताबें (टॉकिंग बुक्स, नेत्रहीनों के लिए ऑडियो किताबें), सीबीएसई की स्कूल गुणवत्ता आश्वासन और आकलन रूपरेखा, निपुण भारत के लिए 'निष्ठा' शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम और विद्यांजलि पोर्टल (विद्यालय के विकास के लिए शिक्षा स्वयंसेवकों/दाताओं/सीएसआर योगदानकर्ताओं की सुविधा के लिए) का भी शुभारंभ किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कठिन समय में देश के छात्रों के भविष्य के प्रति शिक्षकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज शिक्षक पर्व के अवसर पर कई नई योजनाएं शुरू की गई हैं। ये महत्वपूर्ण भी हैं, क्योंकि देश इस समय आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और आजादी के 100 साल बाद भारत कैसा होगा, इसके लिए नए संकल्प ले रहा है।

श्री मोदी ने महामारी की चुनौती का सामना करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और पूरे शैक्षणिक समुदाय की प्रशंसा की और उनसे कठिन समय का मुकाबला करने के लिए विकसित की गयी क्षमताओं को और आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि हम परिवर्तन के दौर में हैं, तो सौभाग्य से हमारे पास आधुनिक और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी है।

श्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण और उसके क्रियान्वयन में हर स्तर पर शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, शिक्षकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने सभी से इस भागीदारी को एक नए स्तर पर ले जाने और इसमें समाज को भी शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में ये बदलाव न केवल नीति आधारित हैं बल्कि भागीदारी आधारित भी हैं।

पिछले कुछ वर्षों में जनभागीदारी फिर से भारत का राष्ट्रीय चरित्र बनती जा रही है। पिछले 6-7 वर्षों में जनभागीदारी के सामर्थ्य के कारण ही भारत में बहुत से ऐसे कार्य हुए हैं, जिनकी पहले कल्पना करना कठिन था

श्री मोदी ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के साथ 'सबका प्रयास' के देश के संकल्प के लिए 'विद्यांजलि 2.0' एक मंच की तरह है। इसके लिए समाज में, हमारे निजी क्षेत्र को आगे आना होगा और सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देना होगा।

जनभागीदारी फिर से भारत का राष्ट्रीय चरित्र

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जनभागीदारी फिर से भारत का राष्ट्रीय चरित्र बनती जा रही है। पिछले 6-7 वर्षों में जनभागीदारी के सामर्थ्य के कारण ही भारत में बहुत से ऐसे कार्य हुए हैं, जिनकी पहले कल्पना करना कठिन था। उन्होंने कहा कि जब समाज मिलकर कुछ करता है, तो वांछित परिणाम सुनिश्चित होते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि जीवन के किसी भी क्षेत्र में युवाओं के भविष्य को आकार देने में सभी की भूमिका है। उन्होंने हाल ही में संपन्न ओलंपिक और पैरालंपिक में देश के एथलीटों के शानदार प्रदर्शन को याद किया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान कम से कम 75 स्कूलों का दौरा करने के उनके अनुरोध को एथलीटों ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि इससे छात्रों को प्रेरणा मिलेगी और कई प्रतिभाशाली छात्रों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलेगा।

श्री मोदी ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए शिक्षा न केवल समावेशी होनी चाहिए, बल्कि समान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नेशनल डिजिटल आर्किटेक्चर अर्थात एन-डियर शिक्षा में असमानता को खत्म करके उसे आधुनिक बनाने में एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। श्री मोदी ने कहा कि जैसे यूपीआई इंटरफेस ने बैंकिंग सेक्टर को क्रांतिकारी बनाने का कार्य किया है, वैसे ही एन-डियर भी सभी विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के बीच 'सुपर-कनेक्ट' के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि देश टॉकिंग बुक्स और ऑडियोबुक जैसी तकनीक को शिक्षा का हिस्सा बना रहा है। ■

ऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौते पर हुए हस्ताक्षर

यह समझौता ज्ञापन असम की क्षेत्रीय और प्रशासनिक अखंडता को प्रभावित किए बिना कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद् को और अधिक स्वायत्तता का हस्तांतरण, कार्बी लोगों की पहचान, भाषा, संस्कृति आदि की सुरक्षा और परिषद क्षेत्र में सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करेगा

गत चार सितंबर को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में असम की क्षेत्रीय अखंडता को सुनिश्चित करने वाले दशकों पुराने संकट को समाप्त करने के लिए ऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौते पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर सर्वश्री हिमंता बिस्वा सरमा, मुख्यमंत्री, असम, सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री व आयुष मंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री तुलीराम रोंगहांग, मुख्य कार्यकारी सदस्य के.ए.ए.सी., कार्बी लोंगरी नॉर्थ कछार हिल्स लिबरेशन फ्रंट/के.एल.एन.एल.एफ., पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी लोंगरी/पी.डी.सी.के., यूनाइटेड पीपुल्स लिबरेशन आर्मी/यू.पी.एल.ए., कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर्स/के.पी.एल.टी. गुटों के प्रतिनिधियों सहित केंद्रीय गृह मंत्रालय और असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

इस ऐतिहासिक समझौते के फलस्वरूप 1000 से अधिक सशस्त्र कैडर हिंसा का त्याग कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। कार्बी क्षेत्रों में विशेष विकास परियोजनाओं को शुरू करने के लिए केंद्र सरकार और असम सरकार द्वारा पांच वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये का एक विशेष विकास पैकेज दिया जाएगा।

नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति है कि जो हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आते हैं, उनके साथ हम और अधिक विनम्रता से बात करके और जो वो मांगते हैं, उससे अधिक देते हैं

समझौते की मुख्य विशेषताएं

- यह समझौता ज्ञापन असम की क्षेत्रीय और प्रशासनिक अखंडता को प्रभावित किए बिना कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद् को और अधिक स्वायत्तता का हस्तांतरण, कार्बी लोगों की पहचान, भाषा, संस्कृति आदि की सुरक्षा और परिषद् क्षेत्र में सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करेगा।
- कार्बी सशस्त्र समूह हिंसा को त्यागने और देश के कानून द्वारा स्थापित शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं। समझौते में सशस्त्र समूहों के कैडरों के पुनर्वास का भी प्रावधान है।
- असम सरकार कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद् क्षेत्र से बाहर रहने वाले कार्बी लोगों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक कार्बी कल्याण परिषद् की स्थापना करेगी।
- कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद् के संसाधनों की पूर्ति के लिए राज्य की संचित निधि को बढ़ाया जाएगा।
- वर्तमान समझौते में कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद् को समग्र रूप से और अधिक विधायी, कार्यकारी, प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियां देने का प्रस्ताव है।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 'कार्बी समझौता' प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'उग्रवाद मुक्त समृद्ध पूर्वोत्तर' के दृष्टिकोण (विज़न) में एक और मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि ये समझौता असम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। श्री शाह ने कहा कि जब से श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से पूर्वोत्तर प्रधानमंत्री जी का ना सिर्फ़ फ़ोकस का क्षेत्र रहा है, बल्कि नॉर्थ ईस्ट का सर्वांगीण विकास और वहां शांति और समृद्धि मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति है कि जो हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आते हैं, उनके साथ हम और अधिक विनम्रता से बात करके और जो वो मांगते हैं, उससे अधिक देते हैं। श्री शाह ने कहा कि इसी नीति के परिणामस्वरूप जो पुरानी समस्याएं मोदी सरकार को विरासत में मिली थी, उन्हें हम एक एक करके समाप्त करते जा रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हम समझौतों की सभी शर्तों को अपने ही कार्यकाल में पूरा करते हैं और इन्हें पूरा करने का मोदी सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। ■

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, करोड़ों युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करने का एक साधन

धर्मेंद्र प्रधान
केंद्रीय शिक्षा मंत्री
भारत सरकार

जुलाई को मैंने शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाला। यह चुनौतीपूर्ण और रोमांचक है। यह अनुभूति केवल इस मंत्रालय के शानदार इतिहास को देखते हुए ही नहीं, अपितु यहां चल रहे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के कार्यान्वयन के कारण भी है। यह नीति 34 वर्ष की प्रतीक्षा के बाद आई, जो 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि एनईपी, 2020 एक ऐसा दस्तावेज है, जिसका देश के शैक्षणिक परिदृश्य पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। इससे आंतरिक बदलाव होगा और संसाधनों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारत के भविष्य को नई दिशा मिलेगी और विश्व में उसकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आप चाहें तो कह सकते हैं कि गुणवत्ता, समानता, पहुंच और सामर्थ्य के सिद्धांतों पर तैयार की गई यह नीति हमारी सरकार के लिए एक मार्गदर्शक फलसफा है, एक मूल पाठ है, जो करोड़ों युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करने का एक साधन है।

> **यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि एनईपी, 2020 एक ऐसा दस्तावेज है, जिसका देश के शैक्षणिक परिदृश्य पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। इससे आंतरिक बदलाव होगा और संसाधनों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारत के भविष्य को नई दिशा मिलेगी और विश्व में उसकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी**

एनईपी 2020 की पहली विशेषता यह है कि इस नीतिगत उपाय के माध्यम से समावेशी शिक्षा पर विशेष जोर देकर हम प्री स्कूल से ही एक बच्चे के लिए अधिक सक्षम परिवेश सुनिश्चित करते हैं। एनईपी में सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ा गया है। नई 5334 स्कूली शिक्षा प्रणाली के जरिये एक बच्चे को औपचारिक स्कूलों के लिए तैयार किया जाना है। अब तक प्ले स्कूल का विचार मुख्य रूप से शहरों के मध्यम या उच्च वर्ग तक ही सीमित था, क्योंकि वे निजी स्कूलों का खर्च वहन कर सकते थे।

दूसरी विशेषता पहली से ही जुड़ी हुई है कि कौशल और स्कूली शिक्षा (अकादमिक), पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्यक्रम के अलावा मानविकी और विज्ञान के बीच के वर्गीकरण को तोड़कर बहु-विषयकता, वैचारिक समझ और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दिया गया है। इसमें रचनात्मक संयोजन करने की पूरी संभावना है। उदाहरण के लिए पेंटिंग के साथ गणित विषय का संयोजन।

एक छात्र के जीवन में आने वाले कई प्रकार के तनाव से निपटने के लिए शैक्षणिक सत्र की समाप्ति पर मार्कशीट के बजाय एक समग्र प्रोग्रेस कार्ड दिया जाएगा। उसमें योग्यता के साथ बच्चे के कौशल, दक्षता, पात्रता और अन्य प्रतिभाओं का आकलन किया जाएगा। हाईस्कूल के प्रत्येक बच्चे को व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करनी होगी। यह छठी कक्षा से शुरू होगी और इसमें इंटर्नशिप शामिल होगी। स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र के लिए कभी भी पाठ्यक्रम को छोड़ने के लिए उपयुक्त प्रमाणन के साथ पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने और छोड़ने के कई विकल्प होंगे।

स्कूली शिक्षा के लिए एक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जो स्वतंत्र रूप से काम करेगा, लेकिन यह सिद्धांतों, मानकों और दिशानिर्देशों की व्यवस्था-नेशनल डिजिटल एजुकेशन आर्किटेक्चर यानी एनडीईएआर के माध्यम से आपस में जुड़ा होगा। इससे संपूर्ण डिजिटल शिक्षा इकोसिस्टम सक्रिय होगा और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पना किए गए इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सुधारों के लिए आवश्यक है।

एनडीईएआर समग्र शिक्षा स्कीम 2.0 में भी सहायता करेगी, जिसे अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। इसके लिए इस माह की शुरुआत में 2.94 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय की घोषणा की गई थी। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जो सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के प्री-स्कूल से लेकर 12वीं कक्षा तक के 11.6 लाख स्कूलों, 15.6 करोड़ से अधिक छात्रों और 57 लाख शिक्षकों के लिए है। सभी बाल केंद्रित वित्तीय सहायता डीबीटी के जरिये सीधे छात्रों को प्रदान की जाएगी।

उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए एक एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) होगा, जो विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) से अर्जित सभी शैक्षणिक क्रेडिट के डिजिटल स्टोरेज की सुविधा प्रदान करेगा, ताकि इन्हें अंतिम डिग्री में शामिल किया जा सके। इसमें व्यावसायिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण शामिल हैं। विशेष रूप से यह छात्रों के किसी विदेशी संस्थान में एक सेमेस्टर पूरा करने के लिए एनईपी के तहत परिकल्पित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ जुड़ने की व्यवस्था में सहायक होगा। विधिक और चिकित्सा संस्थानों को छोड़कर पूरे देश में उच्च शिक्षा संस्थानों का एक ही नियामक होगा, जिसे भारतीय उच्च शिक्षा परिषद् (एचईसीआइ) कहा जाता है। यह 'हल्का लेकिन सख्त' नियामक ढांचा सुनिश्चित करेगा।

एनईपी मूक-बधिर छात्रों के लिए राष्ट्रीय और राज्य पाठ्यक्रम की सामग्री को भारतीय सांकेतिक भाषा (आइएसएल) में तैयार करने के मानकीकरण सहित शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा/स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा के लिए तीन भाषा नीति की भाषाई दक्षता के माध्यम से ज्ञान अर्थव्यवस्था तैयार करती है। यूनेस्को ने आइएसएल आधारित सामग्री पर विशेष ध्यान देते हुए प्रौद्योगिकी-सक्षम समावेशी शिक्षण सामग्री के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों की शिक्षा को सक्षम बनाने के लिए किंग सेजोंग साक्षरता पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया है। इन सभी पहलों को एक साथ जोड़ने के लिए लैंगिक समावेशन कोष की स्थापना, वंचित क्षेत्रों और समूहों के लिए विशेष शिक्षा जोन के लिए सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों पर विशेष जोर दिया जाएगा और राज्यों को बाल भवन या डे बोर्डिंग यानी दिन के लिए बोर्डिंग स्कूल स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एनईपी 2020 विद्यार्थियों की उच्चतम क्षमता और कौशल को बढ़ाएगी। यह नीति विश्व स्तर की शिक्षा प्रणालियों के इतिहास में सबसे अधिक परामर्श प्रक्रियाओं के बाद लाई गई है और भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के शीर्ष पर पहुंचाने में हमारे नेतृत्व के संकल्प और दृष्टिकोण को दर्शाती है। जैसा कि हम अमृत महोत्सव या भारत की स्वतंत्रता के 75वां वर्ष मना रहे हैं, वैसे ही यह नई नीति आज के 5 से 15 वर्ष तक की आयु के उन बच्चों को तैयार करेगी, जो भारत की स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर 30 से 40 वर्ष आयु के होंगे। मेरा सौभाग्य है कि मुझे ऐसा कार्यबल तैयार करने की इस प्रक्रिया में शामिल होने का एक अवसर दिया गया है, जो वैज्ञानिक विचार, आलोचनात्मक सोच और मानवतावाद पर आधारित एक वैश्विक समुदाय का प्रणोता होगा। ■

एंकोरेज इंफ्रॉस्ट्रक्चर में 15,000 करोड़ रुपये के एफडीआई प्रस्ताव को मिली मंजूरी

गत 25 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने मेसर्स एंकोरेज इंफ्रॉस्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड में 15,000 करोड़ रुपये तक के निवेश से जुड़े प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मेसर्स एंकोरेज इंफ्रॉस्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और विनिर्माण-विकास के क्षेत्रों, जिसमें एयरपोर्ट सेक्टर और विमानन संबंधी व्यवसायों एवं सेवाओं में डाउनस्ट्रीम निवेश के साथ–साथ परिवहन और लॉजिस्टिक्स आदि से जुड़े क्षेत्र शामिल हो सकते हैं, में निवेश करने के लिए शुरू की गई एक भारतीय निवेश होल्डिंग है।

इस प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में एंकोरेज को बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के शेयर का हस्तांतरण और मेसर्स एंकोरेज इंफ्रॉस्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड में 2726247 ओंटारियो इंक, जोकि ओएसी की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है, द्वारा 950 करोड़ रुपये का निवेश भी शामिल है। ओएसी, कनाडा की सबसे बड़ी निश्चित लाभ वाली पेंशन योजनाओं में से एक ओमेर्स की प्रशासक है।

इस निवेश से बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र के साथ-साथ एयरपोर्ट सेक्टर को भी बहुत बड़ा बढ़ावा मिलेगा। यह निवेश निजी भागीदारी के माध्यम से विश्व स्तरीय हवाई अड्डों और परिवहन संबंधी बुनियादी ढांचे को विकसित करने की भारत सरकार की योजना को काफी हद तक पुष्ट करेगा।

इस निवेश से हाल ही में घोषित राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि इस कदम से राज्य के स्वामित्व वाले बुनियादी ढांचे की परिसंपत्तियों, जिसमें सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों, खेल स्टेडियमों, बिजली पारेषण लाइनों और गैस पाइपलाइन जैसी परिसंपत्तियों की देखभाल करना शामिल है, को निजी ऑपरेटरों को पट्टे पर देकर राजस्व कमाने में मदद मिलेगी। मेसर्स एंकोरेज इंफ्रॉस्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत आने वाले कुछ क्षेत्रों में डॉउनस्ट्रीम निवेश करने का प्रस्ताव कर रहा है।

इस निवेश से प्रत्यक्ष रोजगारों का सृजन भी होगा क्योंकि मेसर्स एंकोरेज इंफ्रॉस्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड जिन क्षेत्रों में डॉउनस्ट्रीम निवेश करने का प्रस्ताव कर रहा है, वे पूंजी और रोजगार प्रधान क्षेत्र हैं। यह निवेश विनिर्माण और उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों के क्रम में अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा करेगा। ■

देश के राजनीतिक इतिहास में अपनी तरह की पहली 'जन आशीर्वाद यात्रा' : तरुण चुघ

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ अपने संगठनात्मक कौशल के लिए जाने जाते हैं। वे पूर्व में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् में विभिन्न दायित्वों और तत्पश्चात् भाजपा राष्ट्रीय मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं।

'कमल संदेश' के सह संपादक संजीव कुमार सिन्हा और राम प्रसाद त्रिपाठी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में श्री चुघ ने 'जन आशीर्वाद यात्रा' की भव्य योजना के पीछे के विचार और इसकी उल्लेखनीय सफलता के बारे में चर्चा की। 'जन आशीर्वाद यात्रा' के राष्ट्रीय प्रभारी श्री चुघ का कहना है कि अन्य दलों के शासन के दौरान लोगों को सरकार के पास जाना पड़ता था, लेकिन अब मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री जनता के दरवाजे तक पहुंच रहे हैं। भाजपा सरकार एवं अन्य सरकारों के बीच यही अंतर है। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश :

• सबसे पहले हम आपको देश के विभिन्न राज्यों में भाजपा द्वारा आयोजित 'जन आशीर्वाद यात्रा' की अपार सफलता के लिए बधाई देते हैं। यात्रा के राष्ट्रीय प्रभारी के रूप में इस भव्य कार्यक्रम और इसके पीछे के विचार के बारे में हमें बताइए।

केंद्र सरकार में नए मंत्रियों के शामिल होने के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्थापित और मान्य लोकतांत्रिक परंपरा के अनुसार संसद के दोनों सदनों में अपने नए सदस्यों का परिचय देना चाहा। लेकिन विपक्ष ने प्रधानमंत्री को ऐसा करने में अवरोध उत्पन्न किया।

सुविदित है कि मोदी सरकार का वर्तमान मंत्रिपरिषद् स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे समावेशी है, जहां विभिन्न जातियों, पंथ, भाषा, धर्म, वर्ग, लिंग, आयु समूह और सामाजिक समूह के लोगों का प्रतिनिधित्व है। विपक्ष ने इस परंपरा को तोड़कर पिछड़े वर्गों, महिलाओं और अन्य हाशिए के वर्गों के प्रतिनिधियों के प्रति उपेक्षा दिखाई। यह इस देश की जनता और संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान है।

तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नए मंत्रियों को नए तरीके से लोगों से परिचित कराने का निर्णय लिया। नए शामिल किए गए मंत्रियों के लिए लोगों तक पहुंचने और सरकार के प्रतिनिधियों के रूप में उनसे मिलने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है?

मोदी सरकार की हर योजना के केंद्र में हमारे गांव, गरीब, दलित, वंचित, पिछड़ा वर्ग, युवा और महिलाएं हैं। मोदी सरकार की प्रतिबद्धता और मंत्र है- 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'। हमारा विश्वास भारत के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। इसलिए हमारे मंत्रीगण पिछले सात वर्षों में मोदी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का संदेश फैलाने के लिए देश के कोने-कोने का दौरा कर रहे हैं और यही इस भव्य कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

• कृपया 'जन आशीर्वाद यात्रा' के बारे में हमें विस्तार से बताएं।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय के अनुसार, 'जन आशीर्वाद यात्रा' 16 अगस्त, 2021 से शुरू हुई और 14 दिनों के बाद समाप्त हुई।

यात्रा के दौरान नए शामिल 39 केंद्रीय मंत्री अपने-अपने राज्यों में गए, सीधे नागरिकों से जुड़े और उनका आशीर्वाद लिया।

'जन आशीर्वाद यात्रा' ने 22 राज्यों की 212 लोकसभा सीटों के लगभग 24,173 किलोमीटर और 265 जिलों को कवर किया। 14 दिनों के दौरान 5,035 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और लगभग 25 लाख लोगों ने सीधे यात्रा में भाग लिया।

आमतौर पर यात्राएं चुनाव-अभियान के उद्देश्य से या किसी

राजनीतिक कार्यक्रम के लिए या किसी मुद्दे के विरोध में आयोजित की जाती हैं। लेकिन, यहां इस यात्रा का उद्देश्य बिल्कुल अलग था। यह किसी राजनीतिक मुद्दे या चुनावों पर केंद्रित नहीं थी।

क्या आपने कभी भारत के राजनीतिक इतिहास में सुना है कि सरकार में शामिल होने वाले मंत्री नागरिकों की समस्याओं को जानने और समझने के लिए सीधे लोगों से जुड़ रहे हैं? हम जानते हैं कि एक बार चुने गए नेता अपने निर्वाचन क्षेत्रों में या लोगों के साथ बहुत कम दिखाई देते हैं। हालांकि, नए शामिल किए गए मंत्रियों को जनता से सीधे जुड़ने और उनकी समस्याओं को समझना इस कार्यक्रम के पीछे का प्रमुख उद्देश्य था। यात्रा, योजना के अनुसार चली और केंद्रीय मंत्रियों को देश के लाखों नागरिकों का आशीर्वाद मिला।

● जन आशीर्वाद यात्रा को लेकर जनता का कैसा प्रतिसाद रहा?

'जन आशीर्वाद यात्रा' बेहद सफल रही। जनसंपर्क का यह रूप भारत के इतिहास में पहली बार देखा गया है। राज्यों में भारत के लोगों ने नए मंत्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और देश के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्ववाली भारतीय जनता पार्टी सरकार की सराहना की।

जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, लगभग 5000 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे और ये सभी कार्यक्रम सभी क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी के साथ अत्यधिक सफल रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के मार्गदर्शन में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एम.चुबा एओ, राष्ट्रीय सचिव सर्वश्री विनोद सोनकर, सत्य कुमार, सुनील देवधर, अरविंद मेनन एवं श्रीमती पंकजा मुंडे शामिल थे। इस टीम ने यात्रा को सफल बनाने के लिए बहुत मेहनत की, लेकिन 'जन आशीर्वाद यात्रा' की सफलता का पूरा श्रेय भारत की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपलब्धियों, देश के सर्वांगीण विकास की उनकी प्रतिबद्धता और इस यात्रा के लिए संगठन-शिल्पी श्री जगत प्रकाश नड्डा की बेहतर योजना को जाता है।

- **'जन आशीर्वाद यात्रा' 16 अगस्त, 2021 से शुरू हुई और 14 दिनों के बाद समाप्त हुई**
- **यात्रा के दौरान नए शामिल 39 केंद्रीय मंत्री अपने-अपने राज्यों में गए, सीधे नागरिकों से जुड़े और उनका आशीर्वाद लिया**
- **'जन आशीर्वाद यात्रा' ने 22 राज्यों की 212 लोकसभा सीटों के लगभग 24,173 किलोमीटर और 265 जिलों को कवर किया**
- **14 दिनों के दौरान 5,035 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और लगभग 25 लाख लोगों ने सीधे यात्रा में भाग लिया**
- **'जन आशीर्वाद यात्रा' की सफलता का पूरा श्रेय भारत की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपलब्धियों, देश के सर्वांगीण विकास की उनकी प्रतिबद्धता और इस यात्रा के लिए संगठन-शिल्पी श्री जगत प्रकाश नड्डा की बेहतर योजना को जाता है**

● देश के हर हिस्से में भाजपा संगठन विस्तार के लिए 'जन आशीर्वाद यात्रा' कितनी महत्वपूर्ण रही?

'जन धन योजना', 'स्वच्छ भारत', 'उज्ज्वला', 'आवास योजना' और सैकड़ों अन्य सामाजिक कल्याण योजनाओं के माध्यम से प्रधानमंत्री हमारे समाज के प्रत्येक वर्ग को लाभ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, विशेष रूप से उन लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है जो विकास की दौड़ में पीछे छूट गए है या देश के सबसे वंचित वर्ग से आते हैं।

दूसरी बात भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के कुशल नेतृत्व में पार्टी हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को पूरा करने के लिए पूरे संगठन को इसमें शामिल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसके लिए भाजपा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार इन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जनता में जागरूकता पैदा कर रही है।

अंत में, अन्य दलों के शासन के दौरान लोगों को सरकार के पास जाना पड़ता था, लेकिन अब मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री जनता के दरवाजे तक पहुंच रहे हैं। भाजपा सरकार एवं अन्य सरकारों के बीच यही अंतर है। यही कारण है कि सरकार एवं पार्टी दोनों को सभी वर्गों के लोगों का पूरे दिल से आशीर्वाद मिल रहा है और 'जन आशीर्वाद यात्रा' ने इस तथ्य को प्रमाणित किया है। ■

‘जलियांवाला बाग स्मारक’ का पुनर्निर्मित परिसर राष्ट्र को समर्पित

किसी भी देश के लिए अपने अतीत की विभीषिकाओं को नजरअंदाज करना सही नहीं: नरेन्द्र मोदी

‘जलियांवाला बाग’ वह स्थान है, जिसने सरदार उधम सिंह, सरदार भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिवीरों, बलिदानियों, सेनानियों को हिंदुस्तान की आजादी के लिए मर-मिटने का हौसला दिया

गत 28 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ‘जलियांवाला बाग स्मारक’ के पुनर्निर्मित परिसर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्मारक में ‘संग्रहालय दीर्घाओं’ का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान इस परिसर के उन्नयन के लिए सरकार द्वारा की गई अनगिनत विकास पहलों को दर्शाया गया।

श्री मोदी ने पंजाब की वीर भूमि और ‘जलियांवाला बाग’ की पवित्र मिट्टी को नमन किया। उन्होंने मां भारती की उन संतानों को भी नमन किया, जिनके भीतर जलती आजादी की लौ को बुझाने के लिए अमानवीयता की सारी हदें पार कर दी गईं।

इस अवसर पर गणमान्यजनों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि मासूम बालक-बालिकाओं, बहनों-भाइयों के सपने आज भी जलियांवाला बाग की दीवारों पर अंकित गोलियों के निशान में दिखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वो शहीदी कुआं, जहां अनगिनत माताओं-बहनों की ममता छीन ली गई, उनका जीवन छीन लिया गया उन सभी को आज हम याद कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि जलियांवाला बाग वह स्थान है, जिसने सरदार उधम सिंह, सरदार भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिवीरों, बलिदानियों, सेनानियों को हिंदुस्तान की आजादी के लिए मर-मिटने का हौसला दिया। उन्होंने कहा कि 13 अप्रैल, 1919 के वे 10 मिनट हमारी आजादी की लड़ाई की सत्यगाथा बन गए, जिसके कारण आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना पा रहे हैं। ऐसे में आजादी के 75वें वर्ष में जलियांवाला बाग स्मारक के इस आधुनिक स्वरूप को देश को समर्पित करना, हम सभी के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा का अवसर है।

श्री मोदी ने कहा कि जलियांवाला बाग नरसंहार से पहले इस स्थान पर पवित्र बैसाखी के मेले लगते थे। इसी दिन गुरु गोबिन्द सिंह जी ने 'सरबत दा भला' की भावना के साथ खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि आजादी के 75वें साल में जलियांवाला बाग का ये नया स्वरूप देशवासियों को इस पवित्र स्थान के इतिहास के बारे में, इसके अतीत के बारे में बहुत कुछ जानने के लिए प्रेरित करेगा।

अपने इतिहास को संजोकर रखना हर राष्ट्र का दायित्व

श्री मोदी ने कहा कि हर राष्ट्र का दायित्व होता है कि वो अपने इतिहास को संजोकर रखे। इतिहास में हुई घटनाएं हमें सिखाती भी हैं और आगे बढ़ने की दिशा भी देती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के लिए अपने अतीत की ऐसी विभीषिकाओं को नजर-अंदाज करना सही नहीं है। इसलिए, भारत ने 14 अगस्त को हर वर्ष 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है। भारत ने जलियांवाला बाग जैसी विभीषिकाएं देश के विभाजन के समय भी देखी।

उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग विभाजन के बहुत बड़े भुक्तभोगी रहे हैं। विभाजन के समय जो कुछ हुआ, उसकी पीड़ा आज भी

हिन्दुस्तान के हर कोने में और विशेषकर पंजाब के परिवारों में हम महसूस करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज दुनियाभर में कहीं भी, कोई भी भारतीय अगर संकट में घिरता है, तो भारत पूरे सामर्थ्य से उसकी मदद के लिए खड़ा हो जाता है। चाहे कोरोना काल हो या फिर अफगानिस्तान का वर्तमान संकट, दुनिया ने इसका निरंतर अनुभव किया है। ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत अफगानिस्तान से सैकड़ों साथियों को भारत लाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 'गुरुकृपा' की वजह से हम लोगों के साथ-साथ पवित्र गुरुग्रंथ साहब के 'स्वरूप' को भी शीश पर रखकर भारत लाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि गुरुओं की शिक्षाओं से इस तरह की परिस्थितियों से परेशान लोगों के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलती है।

श्री मोदी ने कहा कि आज जिस प्रकार की वैश्विक परिस्थितियां बन रही हैं, उससे हमें यह एहसास भी होता है कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के क्या मायने होते हैं। ये घटनाएं हमें याद दिलाती हैं कि राष्ट्र के रूप में हर स्तर पर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास क्यों जरूरी है, कितना जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत महोत्सव में आज गांव-गांव में सेनानियों का स्मरण किया जा रहा है, उनको सम्मानित किया जा रहा है। देश में जहां भी आजादी की लड़ाई के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं, उनको सामने लाने के लिए एक समर्पित सोच के साथ यह प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के राष्ट्र-नायकों से जुड़े स्थानों को आज संरक्षित करने के साथ ही वहां नए आयाम भी जोड़े जा रहे हैं। जलियांवाला बाग की तरह ही आजादी से जुड़े दूसरे राष्ट्रीय स्मारकों को भी पुनर्निमित किया जा रहा है जिनमें इलाहाबाद संग्रहालय में इंटरेक्टिव गैलरी, कोलकाता में बिप्लॉबी भारत गैलरी सहित अन्य शामिल हैं।

जलियांवाला बाग नरसंहार से पहले इस स्थान पर पवित्र बैसाखी के मेले लगते थे। इसी दिन गुरु गोबिन्द सिंह जी ने 'सरबत दा भला' की भावना के साथ खालसा पंथ की स्थापना की थी। आजादी के 75वें साल में जलियांवाला बाग का ये नया स्वरूप देशवासियों को इस पवित्र स्थान के इतिहास के बारे में, इसके अतीत के बारे में बहुत कुछ जानने के लिए प्रेरित करेगा

श्री मोदी ने कहा कि सरकार द्वारा आजाद हिंद फौज (आईएनए) के योगदान को भी इतिहास के पिछले पन्नों से निकालकर सामने लाने का प्रयास किया गया है। अंडमान में जहां नेताजी ने पहली बार तिरंगा फहराया, उस स्थान को भी नई पहचान दी गई है। साथ ही, अंडमान के द्वीपों का नाम भी स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित किया गया है।

उन्होंने कहा कि हमारे आदिवासी समुदाय ने बहुत योगदान दिया और हमारी आजादी के लिए महान बलिदान दिए। श्री मोदी ने इस बात पर अफसोस जताया कि उनके योगदान को इतिहास की किताबों में उतना स्थान नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए था। उन्होंने बताया कि देश के 9 राज्यों में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों और उनके संघर्ष को दर्शाने वाले संग्रहालयों पर काम चल रहा है।

श्री मोदी ने कहा की कि देश सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे सैनिकों के लिए राष्ट्रीय स्मारक की आकांक्षा रखता है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक आज के युवाओं में राष्ट्र की रक्षा करने और देश के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने की भावना पैदा कर रहा है।

समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के प्रयास जारी

पंजाब की बहादुरी की परंपरा को रेखांकित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि गुरुओं के बताए रास्ते पर चलते हुए पंजाब के बेटे-बेटियां देश के सामने आने वाले सभी खतरों के खिलाफ निडर होकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के प्रयास जारी हैं। श्री मोदी ने कहा कि सौभाग्य से गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाशोत्सव, गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाशोत्सव, गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाशोत्सव पिछले सात वर्षों के दौरान आया और केंद्र सरकार ने इन पवित्र अवसरों पर गुरुओं की शिक्षाओं का प्रसार करने का प्रयास किया है।

उन्होंने इस समृद्ध विरासत को युवाओं तक ले जाने के प्रयासों को गिनाया और सुल्तानपुर लोधी को विरासत शहर में बदलने, करतारपुर कॉरिडोर, विभिन्न देशों के साथ पंजाब की हवाई कनेक्टिविटी, गुरु स्थानों के साथ संपर्क और स्वदेश दर्शन योजना के तहत आनंदपुर साहिब-फतेहगढ़ साहिब-चमकौर साहिब-फिरोजपुर-अमृतसर- खटकर कलां- कलानौर- पटियाला हेरिटेज सर्किट के विकास जैसी शुरुआत करने की बात की।

श्री मोदी ने कहा कि हमारी आजादी का यह अमृत काल पूरे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस अमृत काल में उन्होंने सभी से विरासत और विकास दोनों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पंजाब की धरती ने हमें हमेशा प्रेरित किया है और आज जरूरी है कि पंजाब हर स्तर पर और हर दिशा में तरक्की करे। इसके लिए उन्होंने सभी से 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कामना की कि जलियांवाला बाग की यह भूमि देश की अपने लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने के संकल्पों को निरंतर ऊर्जा देती रहे।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री, केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री, संस्कृति राज्य मंत्री, पंजाब के राज्यपाल और मुख्यमंत्री; हरियाणा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री; पंजाब के लोकसभा और राज्यसभा सांसद, जलियांवाला बाग नेशनल मेमोरियल ट्रस्ट के सदस्य समेत अन्य लोग इस अवसर पर मौजूद थे। ■

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना

विकास आनंद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने जनवरी, 2016 में उद्यमिता को बढ़ावा देने, एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने तथा भारत को 'जॉब सीकर' की जगह पर 'जॉब क्रिएटर' वाला देश बनाने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया इनिशिएटिव' शुरू किया। इसके लिए सरकार ने अनेक सुधार किए। इससे पूर्व की प्रणाली जटिल और अव्यवस्थित थी, जिससे छोटे और मध्यम उद्यमियों को स्टार्टअप शुरू करने के लिए हतोत्साहित होना पड़ता था।

सरकार ने उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए कंप्लायंस का आसानी से कार्यान्वयन, असफल स्टार्टअप के लिए आसान निकास प्रक्रिया, पेटेंट आवेदनों की तेजी से ट्रैकिंग, सूचना विषमता को कम करने के लिए एक समर्पित वेबसाइट, पात्र स्टार्टअप के लिए आयकर और पूंजीगत लाभ कर पर छूट व निवेश का व्यवस्था शुरू किया। साथ ही, मोदी सरकार के प्रयासों से व्यापार सुगमता में भारत की रैंकिंग लगातार सुधर रही है। मोदी सरकार के समर्पित प्रयासों ने भारत को दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम वाले शीर्ष तीन देशों में ला दिया है। अगस्त के अंत में हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा प्रकाशित 'यूनिकॉर्न लिस्ट-2021' के अनुसार अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है।

	अमेरिका	चीन	भारत	ब्रिटेन	जर्मनी
यूनिकॉर्न की संख्या	396	277	51	32	18
यूनिकॉर्न के औसत वर्ष	7	6	7.3	6.5	6
औसत मूल्यांकन (यूएस डॉलर बिलियन)	3.1	4.7	3.3	2.7	2.5
यूनिकॉर्न की संख्या में बढ़ोतरी	217	98	31	14	10

'यूनिकॉर्न' शब्द का प्रयोग वित्तीय दुनिया में एक निजी स्वामित्व वाली स्टार्टअप कंपनी को परिभाषित करने के लिए किया जाता है, जिसका मूल्य $1 बिलियन से अधिक होता है। पिछले एक साल में भारत ने हर महीने तीन यूनिकॉर्न बढ़ाया हैं, जिससे यूनिकॉर्न की कुल संख्या 51 हो गई है, जो ब्रिटेन (32) और जर्मनी (18) से आगे है। कुल 396 यूनिकॉर्न के साथ अमेरिका शीर्ष पर बना हुआ है और चीन 277 यूनिकॉर्न के साथ दूसरे स्थान पर है। वर्तमान में भारत में यूनिकॉर्न की कुल कीमत 168 बिलियन डॉलर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अकेले 2021 में 25 यूनिकॉर्न जोड़े हैं। यूनिकॉर्न के अलावा हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट ने भारत में भविष्य के यूनिकॉर्न की सूची तैयार की है। यह भविष्य के यूनिकॉर्न को दो समूहों में वर्गीकृत करता है- 'गज़ेल्स' और 'चीता'। गज़ेल्स वे स्टार्टअप हैं जिनमें दो साल के भीतर यूनिकॉर्न बनने की क्षमता है और चीता वे हैं जिनमें चार साल के भीतर यूनिकॉर्न बनने की क्षमता है।

भविष्य के यूनिकॉर्न की सूची 2021 से पता चलता है कि 500 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य की 'गज़ेल्स' श्रेणी के तहत 32 स्टार्टअप दो वर्षों में यूनिकॉर्न में परिवर्तित हो सकते हैं, जबकि 54 'चीता' श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, जिनका मूल्यांकन 200 मिलियन डॉलर से अधिक है, वे यूनिकॉर्न का दर्जा चार साल के भीतर प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन रिटेल स्टोर 'ज़िलिंगो' सबसे मूल्यवान गज़ेल है और ऑनलाइन फ़र्नीचर प्लेटफ़ॉर्म 'पेपरफ्राई' सबसे मूल्यवान चीता है।

बेंगलुरु स्थित गेमिंग कंपनी 'मोबाइल प्रीमियर लीग' हुरुन फ्यूचर यूनिकॉर्न लिस्ट में दूसरे स्थान पर है। मोबाइल प्रीमियर लीग को सिकोइया कैपिटल, मूर स्ट्रेटेजिक वेंचर्स, एसआईजी, पेगासस टेक वेंचर्स, फाउंडर्स सर्कल और अन्य निवेशकों से कुल 230 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश मिला। 'रिबेल फूड्स' भारत का पहला क्लाउड किचन स्टार्ट-अप, हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न लिस्ट 2021 में तीसरे स्थान पर है। 'क्योरफिट' एक फिटनेस स्टार्ट-अप है, हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न लिस्ट 2021 में चौथे स्थान पर है। जून, 2021 में टाटा डिजिटल, टेमासेक, एक्सेल पार्टनर्स, एपिक कैपिटल, यूनिलीवर स्विस जैसे निवेशकों द्वारा क्योरफिट में निवेश के लिए समझौता हुआ है। गुरुग्राम स्थित ई-कॉमर्स कंपनी 'स्पिनी' को हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न लिस्ट 2021 में चौथा स्थान मिला है। 900 कर्मचारियों के साथ स्पिनी वर्तमान में 9 शहरों में काम करता है और 120 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक निवेश जुटाया है।

अन्य भविष्य के यूनिकॉर्न जो शीर्ष दस में हैं, वे हैं ट्रैवल टेक्नोलॉजी कंपनी 'रेट गेन', ई-कॉमर्स मामाअर्थ (गुरुग्राम), गुरुग्राम स्थित 'कारदेखो', रोबोटिक्स स्टार्ट-अप 'ग्रेऑरेंज', फिनटेक कंपनी मोबिक्विक भी गुरुग्राम में स्थित हैं।

शीर्ष दस सेक्टर जो यूनिकॉर्न फ्यूचर लिस्ट में जगह बनाई है वे हैं- फिनटेक (18 कंपनियां), ई-कॉमर्स (17 कंपनियां), सास (7 कंपनियां), शेयर्ड इकॉनमी (6 कंपनियां), गेमिंग (4 कंपनियां),

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (4), लॉजिस्टिक्स (4), हेल्थटेक (4), मीडिया एंड एंटरटेनमेंट (3), एडुटेक (3), कंज्यूमर गुड्स (3)।

शोध में एक अनूठी विशेषता सामने आई है कि भविष्य की यूनिकॉर्न सूची में स्टार्टअप के संस्थापकों ने आईआईटी या आईआईएम से स्नातक और स्नातकोत्तर किया है। रिपोर्ट इस ओर इशारा करती है कि भारत ब्रेन ड्रेन की समस्या को रोकने में सक्षम होता जा रहा है जिससे वह लंबे समय से जूझ रहा था। शोध में यह भी कहा गया है कि 11 सह-संस्थापक 30 वर्ष से कम आयु के हैं और 15 सह-संस्थापक 50 वर्ष से अधिक आयु के हैं।

हुरुन के रिसर्च की एक अन्य खास विशेषता महिलाओं में उद्यमशीलता कौशल का उभरना है। इसके साथ ही, यह बात भी गौर करने वाली है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को बहुत बधाई दी थी। उस दिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने महिला उद्यमियों से कुछ खास खरीदारी भी की। इस अनोखे तरीके से उनका इरादा महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने था। मोदी सरकार ने उद्यमिता में नए भारत की नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए कई सुधार किए हैं और उसमें आने वाली बाधाओं को दूर किया है। हुरुन शोध संस्थान द्वारा जारी किए गए आंकड़े महिलाओं की उभरती उद्यमशीलता को उजागर करते हैं। फ्यूचर यूनिकॉर्न लिस्ट 2021 में 12 स्टार्ट-अप महिला उद्यमियों द्वारा सह-स्थापित किए गए हैं। महिला उद्यमियों ने हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न लिस्ट 2021 में पांच गज़ेल्स और सात चीता की सह-स्थापक हैं। इसी तरह, छह महिला उद्यमियों ने भारत में यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप की सह-स्थापक रही हैं।

यह ध्यान देने योग्य बात है कि सूची में संस्थापकों की औसत आयु 39 वर्ष है। इसका अर्थ है कि सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल युवा प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही है। रिपोर्ट ने बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई को 3 प्रमुख स्टार्टअप हब में रखा है। 31 स्टार्टअप के साथ बेंगलुरु भारत का पहला प्रमुख स्टार्टअप हब है, जिसके बाद दिल्ली-एनसीआर में 18 स्टार्टअप और फिर मुंबई में 13 स्टार्टअप हैं।

ये स्टार्टअप घरेलू और विदेशी निवेश दोनों को आकर्षित कर रहे हैं। देश में निवेश के अनुकूल माहौल बनाने की मोदी सरकार की पहल से निवेशकों का भारत में विश्वास बढ़ा है। गज़ेल्स और चीता में शीर्ष निवेशक सिकोइया (37 निवेश के साथ) है, इसके बाद टाइगर ग्लोबल (18 निवेश के साथ) है। ■

भारत की अध्यक्षता में संरा सुरक्षा परिषद में कई महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों के निकले ठोस नतीजे

संयुक्त राष्ट्र की शक्तिशाली सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के एक माह के लिए अध्यक्ष रहे भारत का कार्यकाल समाप्त हो गया है, लेकिन इस दौरान कई महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर ठोस नतीजे सामने आए। इनमें अफगानिस्तान में हालात पर एक मजबूत प्रस्ताव भी शामिल हैं जिसमें भारत के विचार एवं चिंताएं प्रतिबिंबित हुए। भारत ने यह मांग भी की कि अफगान की धरती का इस्तेमाल किसी भी देश को धमकाने या आतंकवादियों की पनाहगाह के रूप में नहीं होना चाहिए।

भारत का गैर स्थायी सदस्य के रूप में परिषद में अभी दो वर्ष का कार्यकाल चल रहा है और इसी क्रम में उसे अगस्त माह के लिए 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद के अध्यक्षता मिली थी।

अगस्त महीने में भारत की अध्यक्षता में सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान को लेकर 3, 16 और 27 अगस्त को तीन प्रेस वक्तव्य जारी किए। विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने शांतिरक्षा एवं प्रौद्योगिकी के विषय में दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की अध्यक्षता की।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि श्री टी.एस. तिरुमूर्ति ने 31 अगस्त को ट्वीट किया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हमारी अध्यक्षता के समापन पर मैं परिषद के सभी सहयोगियों का इतना प्रबल समर्थन देने के लिए आभार जताता हूं जिससे हमारी अध्यक्षता सफल रही और कई ठोस नतीजे निकलकर आए।

गौरतलब है कि यूएनएससी की जिस बैठक में अफगानिस्तान पर प्रस्ताव पारित हुआ उसकी अध्यक्षता विदेश सचिव श्री हर्षवर्धन श्रृंगला ने की थी। 30 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए श्री श्रृंगला ने रेखांकित किया कि भारत की अध्यक्षता में अफगानिस्तान को लेकर पारित प्रस्ताव में सुरक्षा परिषद द्वारा नामित व्यक्तियों और संस्थाओं को संदर्भित किया गया है।

श्री श्रृंगला ने कहा था कि आज का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव...भारत की अध्यक्षता में पारित एक बहुत ही महत्वपूर्ण और समय पर की गयी घोषणा है। मैं इस तथ्य को उजागर करना चाहता हूं कि प्रस्ताव यह स्पष्ट करता है कि अफगान क्षेत्र का उपयोग किसी अन्य देश को धमकी देने, उस पर हमला करने के लिये नहीं किया जाना चाहिये। यह विशेष रूप से आतंकवाद का मुकाबला करने के महत्व को भी रेखांकित करता है। यह उन व्यक्तियों और संस्थाओं को भी संदर्भित करता है जिन्हें सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के तहत प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा कि लश्कर और जैश, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संस्थाएं हैं, जिनसे निपटने की और कड़ी से कड़ी निंदा करने की आवश्यकता है। ■

'स्वच्छ भारत अभियान' के संकल्प को कभी भी मंद नहीं पड़ने देना है

राष्ट्र निर्माण के लिए सबका प्रयास, कैसे सबका विकास करता है इसके उदाहरण न सिर्फ प्रेरणा देते हैं, बल्कि कुछ करने के लिए एक नई ऊर्जा भर देते हैं और संकल्प में जान फूंक देते हैं

स्वच्छता के क्षेत्र में देश के विभिन्न स्थानों पर हो रहे अभिनव प्रयोगों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अगस्त को देशवासियों से अपील की कि वे 'स्वच्छ भारत अभियान' के संकल्प को कभी भी मंद ना पड़ने दें।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 अगस्त, 2021 को 'मन की बात' कार्यक्रम में दिए गए संबोधन का सारांश

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की ताजा कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के कालखंड में स्वच्छता के विषय में जितनी बातें करनी चाहिए थी, उसमें कुछ कमी आ गई थी। उन्होंने कहा कि मुझे भी लगता है कि स्वच्छता के अभियान को हमें रत्ती भर भी ओझल नहीं होने देना है।

श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए सबका प्रयास, कैसे सबका विकास करता है इसके उदाहरण न सिर्फ प्रेरणा देते हैं, बल्कि कुछ करने के लिए एक नई ऊर्जा भर देते हैं और संकल्प में जान फूंक देते हैं। इस कड़ी में प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत रैंकिंग में पहले नम्बर पर कायम मध्य प्रदेश के इंदौर, 'सुखेत मॉडल' के जरिए गांवों में प्रदूषण कम करने के लिए बिहार के मधुबनी और ऐसा ही प्रयास करने के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा जिले की कान्जीरंगाल पंचायत का उल्लेख किया।

श्री मोदी ने कहा कि स्वच्छ भारत रैंकिंग में पहले पायदान पर बने रहने के बावजूद वहां के लोग संतोष पा करके बैठना नहीं चाहते हैं और कुछ नया करने की चाहत में उन्होंने इंदौर को 'वाटर प्लस सिटी' बनाने की ठान ली है।

'वाटर प्लस सिटी' यानी ऐसा शहर जहां बिना 'ट्रीटमेंट' (प्रशोधन) के गंदा पानी किसी सार्वजनिक जल स्त्रोत में नहीं डाला जाता है। उन्होंने कहा कि यहां के नागरिकों ने खुद आगे आकर अपनी नालियों को सीवर लाइन से जोड़ा है। स्वच्छता अभियान भी चलाया है और इस वजह से सरस्वती और कान्हा नदियों में गिरने वाला गन्दा पानी भी काफी कम हुआ है और सुधार नज़र आ रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि आज जब देश आजादी का 'अमृत महोत्सव' मना रहा है तो देश को यह याद रखना है कि 'स्वच्छ भारत अभियान' के संकल्प को हमें कभी भी मंद नहीं पड़ने देना है। उन्होंने कहा कि देश में जितने ज्यादा शहर 'वाटर प्लस सिटी' होंगे, उतनी ही स्वच्छता भी बढ़ेगी, नदियां भी साफ होंगी और पानी बचाने की एक मानवीय जिम्मेदारी निभाने के संस्कार भी विकसित होंगे।

मधुबनी जिले के डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय और वहां के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त प्रयासों से आरंभ किए गए 'सुखेत मॉडल' का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि इसका लाभ किसानों को तो हो ही रहा है, इससे स्वच्छ भारत अभियान को भी नई ताकत मिल रही है।

उन्होंने कहा कि सुखेत मॉडल के चार लाभ तो सीधे-सीधे नजर आते हैं। एक तो गांव को प्रदूषण से मुक्ति, दूसरा गांव को गन्दगी से मुक्ति, तीसरा गांव वालों को रसोई गैस सिलेंडर के लिए पैसे और चौथा गांव के किसानों को जैविक खाद। इस तरह के प्रयास हमारे गांवों की शक्ति कितनी ज्यादा बढ़ा सकते हैं। श्री मोदी ने इसे आत्मनिर्भरता का विषय करार दिया और देश की हर पंचायत से ऐसा कुछ करने की अपील की।

तमिलनाडु के शिवगंगा जिले की कान्जीरंगाल पंचायत में 'कचरे से कंचन' विकसित करने को लेकर चलाए जा रहे अभियान का प्रधानमंत्री ने जिक्र किया और कहा कि पूरे गांव से कचरा इकट्ठा कर उससे बिजली बनाई जाती है और बचे हुए उत्पादों को कीटनाशक के रूप में बेच भी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि गांव में इसके लिए एक संयंत्र भी स्थापित किया गया है और इसकी क्षमता प्रतिदिन दो टन कचरे के निस्तारण की है।

उन्होंने कहा कि इससे बनने वाली बिजली का गांव के बिजली के खंभों के साथ दूसरी जरूरतों में उपयोग हो रहा है। इससे पंचायत का पैसा तो बच ही रहा है, वह पैसा विकास के दूसरे कामों में इस्तेमाल किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सार्वभौमिक स्वच्छता प्राप्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में तेजी लाने और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रधानमंत्री ने दो अक्टूबर, 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' आरंभ किया था। ■

टोक्यो पैरालंपिक में भारत के खिलाड़ियों का अभूतपूर्व प्रदर्शन

हाल में संपन्न हुए टोक्यो पैरालंपिक में भारत के खिलाड़ियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। इस पैरालंपिक में भारत ने पांच स्वर्ण सहित 19 पदक हासिल किए, जो अब तक का हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 162 देशों की इस महाकुंभ प्रतियोगिता में स्वर्ण पदकों के आधार पर भारत ने 24वां स्थान प्राप्त किया। वहीं, जीते गए कुल पदकों के आधार पर भारत 20वें स्थान पर रहा। कुल पदकों में आठ रजत और छह कांस्य पदक भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा था, जिसमें 54 पैरा-एथलीटों ने नौ खेलों में भाग लिया। इनमें से 17 खिलाड़ियों ने पदक हासिल किये तथा कई खिलाड़ियों ने एक से अधिक पदक प्राप्त किए, जिसमें निशानेबाज अवनि लेखरा (स्वर्ण-कांस्य) और सिंहराज अधाना (रजत-कांस्य) शामिल हैं।

भारतीय खेलों के इतिहास में टोक्यो पैरालंपिक का हमेशा विशेष स्थान रहेगाः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारतीय खेलों के इतिहास में टोक्यो पैरालंपिक का हमेशा एक विशेष स्थान रहेगा। उन्होंने कहा कि पैरालंपिक में भाग लेने वाली हमारी टीम का हर सदस्य चैंपियन और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने जापान, विशेष रूप से टोक्यो के लोगों और जापान सरकार की उनके असाधारण आतिथ्य सत्कार, व्यापक प्रसार और इन ओलंपिक खेलों के माध्यम से लचीलेपन व एकजुटता के जरूरी संदेश के प्रसार की भी प्रशंसा की।

श्री मोदी ने पांच सितंबर को सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि भारतीय खेलों के इतिहास में टोक्यो पैरालंपिक का हमेशा ही एक विशेष स्थान रहेगा। यह खेल प्रतियोगिता हर भारतीय की याद में रहेगी और खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को खेलने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा ऐतिहासिक संख्या में जीते पदकों ने हमारे दिलों को उल्लास से भर दिया है। मैं हमारे एथलीटों के कोच, सहायक स्टाफ और परिजनों को खिलाड़ियों को निरंतर दिए गए समर्थन की सराहना करता हूं। हमें उम्मीद है कि खेलों में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आपकी सफलता निश्चित रूप से फायदेमंद होगी।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कई ट्वीट कर कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए टोक्यो में आयोजित पैरालंपिक में कुल 19 पदक जीतकर इतिहास रचा है। इस अवसर पर मैं, भारत के सभी ऊर्जावान खिलाड़ियों, उनके परिवारों, कोच, स्टाफ एवं हौसला बढ़ाने के लिए सभी देशवासियों को धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय ट्रेनिंग, कोचिंग, खेल उपकरण, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं तथा विभिन्न अवसरों पर उनसे आत्मीय संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया है। यही कारण है कि खेल जगत में भारत नित नई उपलब्धियों को हासिल करते हुए शिखर की ओर बढ़ रहा है। ■

बोम्मई जी ने कई छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण शुरुआतें की हैं: अमित शाह

गत दो सितंबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कर्नाटक में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। श्री शाह ने दावणगेरे में गांधी भवन, पुलिस पब्लिक स्कूल और जीएम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के केन्द्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इन तीनों योजनाओं पर कुल 50 करोड़ रुपये की लागत आई है। साथ ही, उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित कर आज़ादी की लड़ाई में उनके अमूल्य योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज एस. बोम्मई समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि विगत डेढ़-दो साल से देश और दुनिया एक बहुत बड़ी महामारी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी समग्र मानवजाति के लिए चुनौती बनकर खड़ी थी और जहां तक भारत का सवाल है, देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने कोरोना के ख़िलाफ़ लड़ाई को मज़बूती के साथ और सबसे अच्छे तरीक़े से लड़ा है। उन्होंने कहा कि इसी के कारण हम काफ़ी हद तक इससे बाहर निकल चुके हैं।

श्री शाह ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने कोरोना के ख़िलाफ़ बहुत अच्छे तरीक़े से लड़ाई लड़ी और अब तक राज्य में लगभग पांच करोड़ 20 लाख लोगों को टीका लग चुका है, इनमें से चार करोड़ लोगों को पहला और एक करोड़ 16 लाख लोगों को दूसरा टीका भी लग चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि सितंबर के अंत तक लगभग 90 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को टीका लगाने का काम मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई जी के नेतृत्व में हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और इस बात का एक उदाहरण है कि अगर सरकार लोगों को साथ लेकर चले तो क्या कर सकती है।

श्री शाह ने कहा कि बोम्मई जी ने कई छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण शुरुआतें की हैं, जैसे पुलिस की सलामी नहीं लेना और अन्य कई वीवीआईपी व्यवस्थाओं को छोड़ा, पारदर्शिता के लिए भी कई क़दम उन्होंने उठाए हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हम सबका दायित्व बनता है कि हमारे आस-पड़ोस, परिवार, मित्रों में कोई भी वैक्सीन लिए बिना ना रह जाए। ■

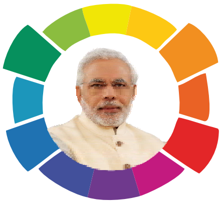

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

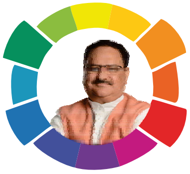

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)............................ (2)............................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :................................ दिनांक :............................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षक पर्व के पहले सम्मेलन में
शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कई प्रमुख पहलों का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'जलियांवाला बाग स्मारक' के पुनर्निर्मित परिसर को राष्ट्र को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 37वीं 'प्रगति' बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**

36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23

Licence to Post without Prepayment

Licence No. U(S)-41/2021-23

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने टोक्यो पैरालंपिक, 2020 में भाग लेने वाले भारतीय दल का किया स्वागत

भारतीय खेलों के इतिहास में टोक्यो पैरालंपिक का हमेशा ही एक विशेष स्थान रहेगा। यह खेल प्रतियोगिता हर भारतीय की याद में रहेगी और खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को खेलने के लिए प्रोत्साहित करेगी। हमारे दल का प्रत्येक सदस्य एक चैंपियन है और प्रेरणा का स्रोत है।

श्री नरेन्द्र मोदी,
प्रधानमंत्री

भारतीय खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए टोक्यो में आयोजित पैरालंपिक में कुल 19 पदक जीतकर इतिहास रचा है। इस अवसर पर मैं भारत के सभी ऊर्जावान खिलाड़ियों, उनके परिवारों, कोच, स्टाफ एवं हौसला बढ़ाने के लिए सभी देशवासियों को धन्यवाद देता हूं।

श्री जगत प्रकाश नड्डा
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

छायाकार: अजय कुमार सिंह